वार्षिक रिपोर्ट
2016 – 17

nidm
Towards a disaster free India.....

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
2016–17

nidm
Towards a disaster free India.....

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

एनआईडीएम की वार्षिक रिपोर्ट 2016–17

© एनआईडीएम, नई दिल्ली

प्रकाशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली – 110 002

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

दृष्टिकोण

"भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण, प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता का एक प्रमुख संस्थान बनना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में पहचाना जाना। सभी स्तरों पर रोकथाम और तैयारी की संस्कृति को विकसित करना और उसे बढ़ावा देकर आपदा मुक्त भारत बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना "

विषय सूची

1.	अवलोकन	1–4
1.1	संस्थान के बारे में	2
1.2	प्रबंधन संरचना	2
1.3	दृष्टिकोण	2
1.4	विशेष कार्य	3
1.5	गतिविधियां	3
1.6	प्रमुख क्षेत्र	4
2.	संगठनात्मक व्यवस्था	5–8
2.1	संगठनात्मक संरचना	6
2.2	सामान्य प्रशासन	8
2.3	हिंदी का प्रगतिशील उपयोग	8
3.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	9– 14
3.1	उद्देश्य	10
3.2	प्रतिभागियों की रूपरेखा	10
3.3	प्रशिक्षण के तरीके	11
3.4	आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
3.5	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	13
3.6	स्व - अध्ययन कार्यक्रम	14
4.	परियोजनाएं	15–18
4.1	राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना (एनसीआरएमपी)	16
4.2	आपदा पूर्व आवश्यकताएं, भारत के लिए आकलन अध्ययन	17
4.3	एनआईडीएम - जेएनयू - आपदा अनुसंधान कार्यक्रम (डीआरपी)	18
5.	ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता क्रियाएँ	19–25
5.1	भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)	20
5.2	एनआईडीएम प्रशिक्षु डाटाबेस	21
5.3	दस्तावेजीकरण और प्रकाशन	21
5.4	सूचना प्रसार	22
5.5	सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री	23
6.	प्रमुख आयोजन / कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी	25–32
6.1	आपदा प्रबंधन और तैयारी, सिक्किम मठों और महिला मठों पर ध्यान केंद्रित करने और समुदाय से जुड़ने पर क्षेत्रीय कार्यशाला (21–23 सितंबर 2016)	26

6.2 एशियाई जोखिम निवारण पर एशियाई मंत्रीमंडलीय सम्मेलन, 3 से 5 नवम्बर 2016, विज्ञान भवन, नई दिल्ली 27

6.3 आपदा जोखिम प्रबंधन और क्षेत्रीय सहयोग पर ईएएस सम्मेलन, इंडिया हेबीटेट सेंटर 2 नवंबर 2016 28

6.4 लेह, लद्दाख में संग्रहालयों के लिए आपदा जोखिम तैयारी पर कार्यशाला 11 – 12 दिसंबर 2016 29

6.5 इंदौर, मध्य प्रदेश में सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर दक्षिण एशियाई वक्ताओं का शिखर सम्मेलन 30

6.6 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के परिसर का शिलान्यास समारोह (17 फरवरी 2017) 31

6.7 वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन (एटीसी) 32

7. वित्त और लेखा 33–34

8. अनुबन्ध की सूची 35–64

8.1 अनुबंध i : संस्थान के सदस्यों की सूची 37

8.2 अनुबंध ii : संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची 40

8.3 अनुबंध iii : एनआईडीएम में आयोजित आमने-सामने प्रशिक्षण की सूची (टीओटी, राष्ट्रीय / राज्य और अंतर्राष्ट्रीय) 42

8.4 अनुबंध vi : विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों की सूची 46

8.5 अनुबंध v : बैलेंस शीट के साथ ऑडिट रिपोर्ट 47–64

लघुरूप

एडीआरसी : एशियाई आपदा न्यूनीकरण केंद्र
एडीपीसी : एशियाई आपदा तैयारी केंद्र
एटीसी : वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन
एटीआई : प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान
बीएमटीपीसी : भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद्
सीसीए : जलवायु परिवर्तन अनुकूलन
सी–डीएसी : उन्नत कंप्यूटिंग के विकास के लिए केंद्र
सीआईबीएस : बौद्ध अध्ययन के केंद्रीय संस्थान
सीआईएसएफ : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
सीडब्लूसी : केंद्रीय जल आयोग
डीडीएमए: दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
डीएसटी : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
डीएमसी : आपदा प्रबंधन केंद्र
डीआरआर : आपदा जोखिम न्यूनीकरण
ईएएस–ईआरआर : पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन – भूकंप जोखिम न्यूनीकरण
एकडीआरएम : आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए पर्यावरण ज्ञान
जीएफडीआरआर : आपदा न्यूनीकरण और रिकवरी के लिए वैश्विक सुविधा
जीआईजेड : ड्यूश गेस्सेलस्फोर्ट फर इंटरनेशनल जुसममैनबीट
जीआईडीएम : गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान
जीएसआई : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
आईसीआईएमओडी : एकीकृत पर्वत विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
आईसीएसएसआर : भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आईडीकेएन : भारत आपदा ज्ञान नेटवर्क
आईडीआरएन : भारत आपदा संसाधन नेटवर्क
आईआईपीए : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
आईआईआरएस : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग
आईएमडी : भारत मौसम विभाग
आईएनजीओएस : अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन
आईजीईपी : इंडो–जर्मन पर्यावरण भागीदारी
जीआईसीए : जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी
एमएचए : गृह मंत्रालय

एमओईएफ : पर्यावरण और वन मंत्रालय
एमटीडीपी : मास्टर ट्रेनर विकास कार्यक्रम
एनडीएमएः राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
एनडीआरएफः राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल
एनईसी : राष्ट्रीय कार्यकारी समिति
एनजीओ : गैर–सरकारी संगठन
एनआईआरडी : राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
पीडीएनए : आपदा पूर्व आवश्यकता आकलन
पीएसयू : पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग
एसडीएमसी : सार्क आपदा प्रबंधन केंद्र
एसएसडीएमए : सिकिम्म राज्य आपदा प्रबंधन आयोग
टीओटी : ट्रेनर्स का प्रशिक्षण
टीओएस : हितधारकों का प्रशिक्षण
यूएन : संयुक्त राष्ट्र
यूएनडीपी : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
यूएनईपी : संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
यूएन–एसपीआईडीईआर : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना के लिए संयुक्त राष्ट्र मंच
यूएसएआईडीः अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका एजेंसी
डब्लूबी : विश्व बैंक

अध्याय 1

अवलोकन

अध्याय 1 : अवलोकन

1.1 संस्थान के संबंध में

आपदा प्रबंधन अधिनियम (एनआईडीएम), 2005 के तहत 31.10.2006[1] को एनआईडीएम नियमावली को लागु किया गया है जिसमें संस्थान को आपदा प्रबंधन, क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय स्तर की जानकारी के विकास, आपदा प्रबंधन नीतियों, रोकथाम तंत्र और न्युनीकरण से संबंधित क्षेत्र[2] के प्रशिक्षण और शोध के लिए जिम्मेदरी सौंपी गई है। जिसे 16 अक्टूबर 2003 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केंद्र को पुनः नामित कर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान किया गया। एनआईडीएम निरंतर और सभी स्तरों पर आपदा रोकथाम और तैयारियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के द्वारा एक आपदा मुक्त भारत बनाने के मिशन की ओर अग्रसर है।

1.2 प्रबंधन संरचना

आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) के नियम 2006, के अनुसार संस्थान में 42 सदस्य हैं जिसमें विभिन्न प्रमुख मंत्रालयों, भारत सरकार के विभागों और राज्य सरकारों, राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के अलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और चिकित्सक भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री संस्थान के अध्यक्ष हैं। एनआईडीएम, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों तथा व्यापक नीतियों के अनुसार कार्य करता है।

संस्थान का 15 सदस्यों का एक शासी निकाय है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष इसके अध्यक्ष और गृह सचिव इसके उपाध्यक्ष[3] है। संस्थान के कार्यकारी निदेशक दिन–प्रतिदिन का प्रशासन चलाते हैं।

एनआईडीएम के पास निम्न पांच शैक्षणिक प्रभाग हैं :

- भौगोलिक खतरा
- जलीय व मौसमी आपदा प्रबंधन
- ज्ञान प्रबंधन और संचार
- नीति योजना और क्रॉस कटिंग
- आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रबंधन

1.3 दृष्टि

भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन और प्रबंधन पर प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता का एक उत्कृष्ट संस्थान होना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त करना। सभी स्तरों पर रोकथाम और तैयारियों की एक परंपरा को विकसित करना और बढ़ावा देने के द्वारा आपदा मुक्त भारत बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करना[4]।

1. एनआईडीएम गठित किया गया है डब्लु. ई. एफ. के माध्यम से 30.10.2006 को एस. ओ. 1862 (ई) के तहत
2. आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005, धारा 42 (8)
3. धारा 6 के तहत एनआईडीएम नियम 2006
4. प्रबंधन समिति की बैठक का पहला एजेंडा

1.4 विशेष कार्य

- नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करके सरकार के लिए विशेषज्ञ दल के रूप में काम करना
- निम्न कार्यो द्वारा आपदाओं और आपदाओं के प्रभावों को कम करना
  - प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सेवाओं की योजना और प्रचार करना
  - राष्ट्रीय स्तर की जानकारी के आधार पर अनुसंधान, प्रलेखन और विकास
  - आपदाओं के प्रभाव को कम करने में सुविधा प्रदान करना
  - जागरूकता को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना
  - सभी हितधारकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाना
  - नेटवर्किंग और सूचना, अनुभव और विशेषज्ञता का आदान प्रदान करना[5]

1.5 गतिविधियां

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005[6] के तहत, संस्थान को अन्य बातों के साथ निम्नलिखित कार्यों को सौंपा गया है

- प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना, आपदा प्रबंधन में अनुसंधान और प्रलेखन करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यवस्थित करना
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं पर ध्यान देने के लिए एक व्यापक मानव संसाधन विकास योजना तैयार करना और कार्यान्वित करना
- राष्ट्रीय स्तर की नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करना
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों के विकास के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान करना
- राज्य स्तरीय नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक अन्य सहायता के रूप में राज्य सरकार और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करना
- शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्रियों का विकास
- कॉलेज या स्कूल के शिक्षकों और छात्रों, तकनीकी कर्मियों और बहु–खतरा कम करने, तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों से जुड़े अन्य लोगों सहित हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना
- उपरोक्त वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए देश के भीतर और बाहर अध्ययन पाठ्यक्रम, सम्मेलनों, व्याख्याताओं, सेमिनारों को व्यवस्थित करना और सुगम बनाना
- पत्रिकाओं, शोध पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए समर्थन प्रदान करना और पुस्तकालयों की स्थापना और रखरखाव आदि।

5. प्रथम प्रबंधन समिति बैठक का एजेंडा
6. धारा 42 (9), के तहत आपदा प्रबंधन अधिनियम

1.6 प्रमुख क्षेत्र

प्रशिक्षण

फेस–टू–फेस ट्रेनिंग : एनआईडीएम परिसर में और परिसर के बाहर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करता है जिसमें वरिष्ठ और मध्यम स्तर के सरकारी अधिकारियों और अन्य लोगों के लिए कई विषयों और क्षेत्रों को शामिल किया जाता है।

वेब आधारित प्रशिक्षण : विश्व बैंक संस्थान वॉशिंगटन के सहयोग से संस्थान आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विशिष्ट विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

स्व अध्ययन पाठ्यक्रम : संस्थान ने वेब आधारित स्व अध्ययन पाठ्यक्रम पेश किए हैं, जिसमें किसी भी समय, कहीं से भी प्रवेश किया जा सकता है और पाठ्यक्रम के माध्यम से जाकर संवेदीकरण कर सकते हैं।

1.6.1 अनुसंधान और दस्तावेजीकरण

एनआईडीएम अपने प्रबंधन पर सबक सीखने और प्रशिक्षण कक्षाओं और अनुकार अभ्यास के लिए संसाधन सामग्री के रूप में मामले के अध्ययन का उपयोग करने के लिए देश में होने वाली प्रमुख आपदाओं पर दस्तावेजों का संग्रह करता है।

1.6.2 नीति अध्ययन और सहायता

राष्ट्रीय स्तर के दिशानिर्देशों, नीतियों और योजनाओं की तैयारी में एनआईडीएम एक ज्ञान और अनुसंधान संस्थान के रूप में एमएचए और एनडीएमए को सहायता प्रदान करता है।

एनआईडीएम राज्य सरकारों और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को राज्य स्तर की नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और राज्य सरकारों या राज्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा हितधारकों की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

1.6.3 ज्ञान एकीकरण

एनआईडीएम नेटवर्किंग, प्रशिक्षण, शोध, दस्तावेज आदि के लिए कार्यक्रम आधारित गतिविधियों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य विशिष्ट संगठनों के सहयोग से ज्ञान एकीकरण कर रहा है।

अध्याय 2

संगठनात्मक व्यवस्था

अध्याय 2 : संगठनात्मक व्यवस्था

केंद्रीय गृह मंत्री संस्थान के अध्यक्ष हैं और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (एनडीएमए) इसके उपाध्यक्ष हैं और कार्यकारी निदेशक इसके सदस्य सचिव के रूप में कार्यरत है।

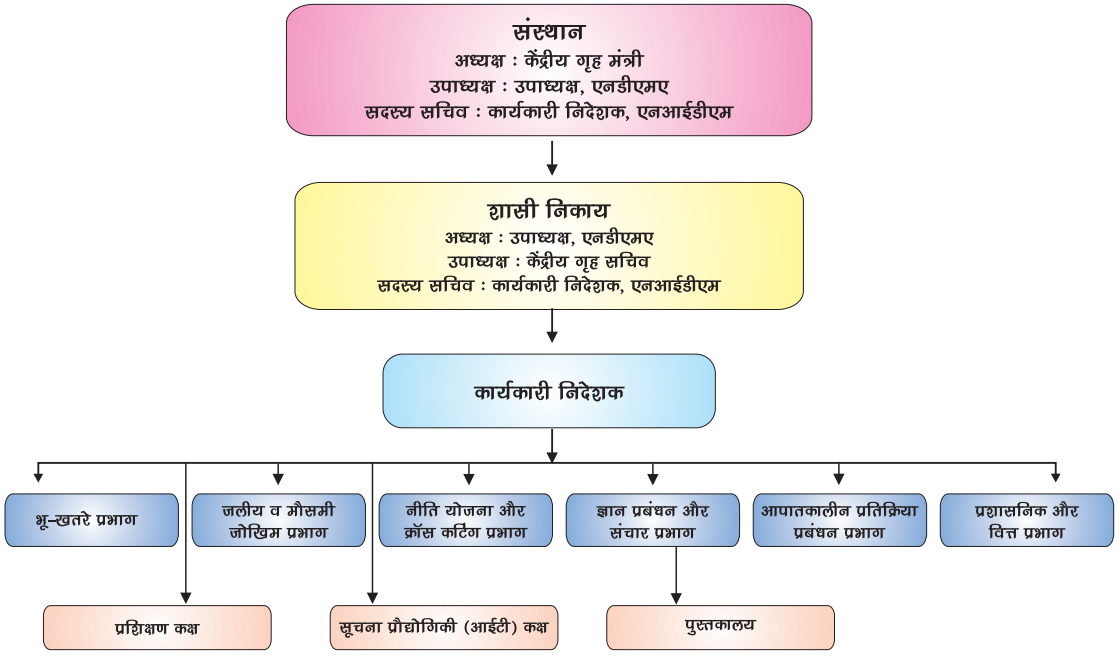
संस्थान में 42 सदस्य शामिल हैं जिसमें विभिन्न प्रमुख मंत्रालयों के सचिव, भारत सरकार और राज्य सरकारों के सचिव, राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के प्रमुख शामिल हैं, इसके इलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और चिकित्सक भी इसका हिस्सा हैं। (अनुबंध । : संस्थान के सदस्यों की सूची)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संस्थान के शासी निकाय की अध्यक्षता करते है। और केंद्रीय गृह सचिव संस्थान के शासी निकाय के उपाध्यक्ष हैं। (अनुबंध –॥ : एनआईडीएम के शासी निकाय सदस्यों की सूची)

संस्थान में 5 डिवीजन हैं, जैसे भौगोलिक खतरा प्रभाग, जलीय व मौसमी आपदा प्रभाग, नीति योजना और क्रॉस कटिंग मुद्दे डिवीजन, ज्ञान प्रबंधन और संचार प्रभाग, और प्रतिक्रिया प्रभाग, पुस्तकालय, आईटी कक्ष और प्रशिक्षण कक्ष के अलावा प्रशासन और वित्त / लेखा प्रभाग भी शामिल है।

2.1 संगठनात्मक संरचना

संस्थान के पास छह विभाग हैं जिसमें प्रशिक्षण कक्ष के अलावा आई टी कक्ष तथा पुस्तकालय प्रमुख है। (चित्र 2.1)



एनआईडीएम के संकाय की प्रभाग आधार सूची तालिका 2.1 में दिखायी गई है

तालिका 2.1 : एनआईडीएम के संकाय सदस्य

स,	नाम	पदनाम
1.	प्रो संतोष कुमार	कार्यकारी निदेशक (आई / सी)
प्रतिक्रिया प्रभाग		
2.	श्री राजेश कुमार सिंह	संयुक्त निदेशक एंव प्रमुख (जनवरी 2016 से)
3.	लेफ्टिनेंट कर्नल पी.के. पाठक	परामर्शदाता
4.	श्री शेखर चतुर्वेदी	शोध सहयोगी
भौगोलिक खतरा प्रभाग		
5.	डॉ चंदन घोष	प्रोफेसर और प्रमुख
6.	डॉ आमीर अली खान	सहायक प्रोफेसर
7.	डॉ रितु राज	शोध सहयोगी
जलीय व मौसमी आपदा जोखिम प्रभाग		
8.	डॉ सूर्य प्रकाश	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
9.	डॉ आशुतोष देव कौशिक	शोध सहयोगी
ज्ञान प्रबंधन और संचार प्रभाग		
10.	डॉ सूर्य प्रकाश	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
11.	सुश्री चंद्राणी बंद्योपाध्याय	सहायक प्रोफेसर
नीति योजना और क्रॉस कटिंग प्रभाग		
12.	डॉ अनिल के गुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
13.	डा अजेन्द्र वालिया	सहायक प्रोफेसर
14.	डॉ सुषमा गुलेरिया	शोध सहयोगी

2.2 सामान्य प्रशासन

संस्थान के कार्यकारी निदेशक संस्थान के प्रशासन के लिए जिम्मेदार हैं और शासी निकाय के निर्देश और मार्गदर्शन के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। कार्यकारी निदेशक को संयुक्त निदेशक, लेखा अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी इस कार्य में सहायता प्रदान करते है। संस्थान के प्रशासन में मुख्य रूप से समन्वय, सांविधिक बैठकों का संचालन, प्रतिष्ठान और कर्मियों का संचालन, सुरक्षा, परिसर समर्थन सेवाएं और कर्मचारियों के कल्याण शामिल है। यह कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और प्रबंधकीय सहायता प्रदान करके संस्थान में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों की सुविधा प्रधान करते है। एनआईडीएम के कर्मचारी तालिका 2.2 में सूचीबद्ध हैं।

तालिका 2.2 : एनआईडीएम के कर्मचारी

सं	नाम	पदनाम
1	श्री हेमंत कुमार	कम्प्यूटर प्रोग्रामर
2	श्री संतोष कुमार तिवारी	पुस्तकालयाध्यक्ष
3	सुश्री रितु सूद	प्रशासनिक सहायक
4	श्री एस.एस. बिष्ट	जूनियर सहायक
5	श्री अविनाश कुमार पांडेय	निजी सहायक
6	श्री जे.एन. झा	जूनियर इंजीनियर
7	सुश्री अमृता गुप्ता	पर्सनल सहायक
8	सुश्री संतोष मिश्रा	डाटा एंट्री ऑपरेटर
9	सुश्री गीता शर्मा	डेटा एंट्री ऑपरेटर
10	श्री राजीव कुमार	डेटा एंट्री ऑपरेटर
11	सुश्री मेघा कोहली	डेटा एंट्री ऑपरेटर
12	श्री अमर सिंह	मशीन ऑपरेटर
13	श्री लक्ष्मण सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
14	श्री विजय कनोजिया	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
15	श्री पंकज	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
16	सुश्री जया	लाइब्रेरी अटेंडेंट

2.3 हिंदी का प्रगतिशील उपयोग

हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए पोस्टर, पृष्ठ स्मृति, पुस्तिकाएं, और वार्षिक रिपोर्ट आदि के रूप में विभिन्न आईईसी सामग्री एनआईडीएम द्वारा हिंदी में विकसित की गई है। बड़ी संख्या में लोगों तक पँहुचाने के उद्देश्य से हिंदी में विभिन्न मॉड्यूलों का भी अनुवाद किया गया। एनआईडीएम वेबसाइट भी द्विभाषी बना दी गई है।

अध्याय 3

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अध्याय 3 : प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन के अधिकारियों की क्षमता निर्माण पर जोर, संस्थान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। इस प्रयास के रूप में, एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम, आपदा जोखिम में कमी के संबंध में विभिन्न क्षमता निर्माण मुद्दों पर नियमित रूप से आयोजित किये जाते है।

वितरण की प्रणाली के आधार पर कार्यक्रमों को वर्गीकृत किया जाता है :

(i) फेस टू फेस ट्रेनिंग
(ii) ऑनलाइन प्रशिक्षण
(iii) स्व : अध्ययन पाठयक्रम

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान 47 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से 44 फेस टू फेस ट्रेनिंग कार्यक्रम थे, और 3 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 1532 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

3.1 उद्देश्य

नीतियों में डीआरआर की मुख्य धारा के लिए कौशल प्रदान करना, योजना कार्यक्रम, एनआईडीएम का एक प्राथमिक उद्देश्य है। एनआईडीएम आपदा प्रबंधन कार्यकर्ताओं और अन्य पेशेवरों, जो आपदा और विकास गतिविधियों में लगे हुए हैं में ध्यान केंद्रित और उचित प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है, एनआईडीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों से तैयार किए गए हैं :

- प्रभावी कार्यक्रम नियोजन और कार्यान्वयन के लिए जागरूकता पैदा करना, कौशल में सुधार करना और विकास कर्मियों के ज्ञान को विस्तृत करना
- केन्द्र और राज्यों के विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संवेदनशीलता पर आपदा प्रबंधन की उभरती जरूरतों के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों और परामर्शों के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर नजर
- दौरे द्वारा जानकारी, सफल मामलों के दस्तावेज और विकास के हस्तक्षेप के माध्यम से विकास कर्मियों के बीच व्यवहारिक बदलाव करना।

3.2 प्रतिभागियों की रूपरेखा

चूंकि एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन में लगे विभिन्न अतिथि समूहों को शामिल किया गया है, प्रशिणार्थियों की प्रोफाइल निम्नलिखित श्रेणियों के प्रतिभागियों में विभाजित की गई है :

- सरकारी अधिकारी (केन्द्र, राज्य और जिला स्तर के अधिकारी)
- नागरिक सामाजिक संगठन (आपदा प्रबंधन पेशेवर)
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू)
- प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
- ज्ञान भागीदार
- शिक्षाविदों (शोधकर्ता, वैज्ञानिक, स्कूल शिक्षक और विश्वविद्यालय के संकाय)
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी (सरकारी विभाग, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, गैर सरकारी संगठन)
- बुनियादी ढांचा पेशेवर (इंजीनियर, आर्किटेक्ट्स, निर्माण एजेंसियां आदि)

3.3 प्रशिक्षण के तरीके

प्रशिक्षण की विविध प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ध्यान में रखते हुयें, विभिन्न प्रशिक्षण विधियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। निम्न कार्य प्रशिक्षण के तरीकों में शामिल हैं

- व्याख्यान–एवं–चर्चा
- मामले संबधित अध्ययन
- कार्य का अभ्यास
- समूह चर्चाएं
- क्षेत्र जोखिम और अध्ययन यात्राएं
- पैनल चर्चाएं
- भेष लेना और भूमिका अदा करना।
- मेज आधारित अभ्यास

3.4 आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वितरण, लक्ष्य समूह और विषय पर आधारित कर वर्गीकृत किया जाता है।

3.4.1 आमने समाने प्रशिशण कार्यक्रम

एनआईडीएम में या राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण में आपदा से निपटने के लिए सामरिक प्रशिक्षण की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। आपदा प्रबंधन के लगभग सभी पहलुओं को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शामिल किया गया है।

लक्ष्य समूह के आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आमने सामने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत तीन भागों में बांटा जाता है। जैसे कि व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पीडीपी) और प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम (टीडीपी) इसके अतिरिक्त मास्टर ट्रेनर्स विकास कार्यक्रम (एमटीडीपी)। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण अनुबंध – III में दिया गया है

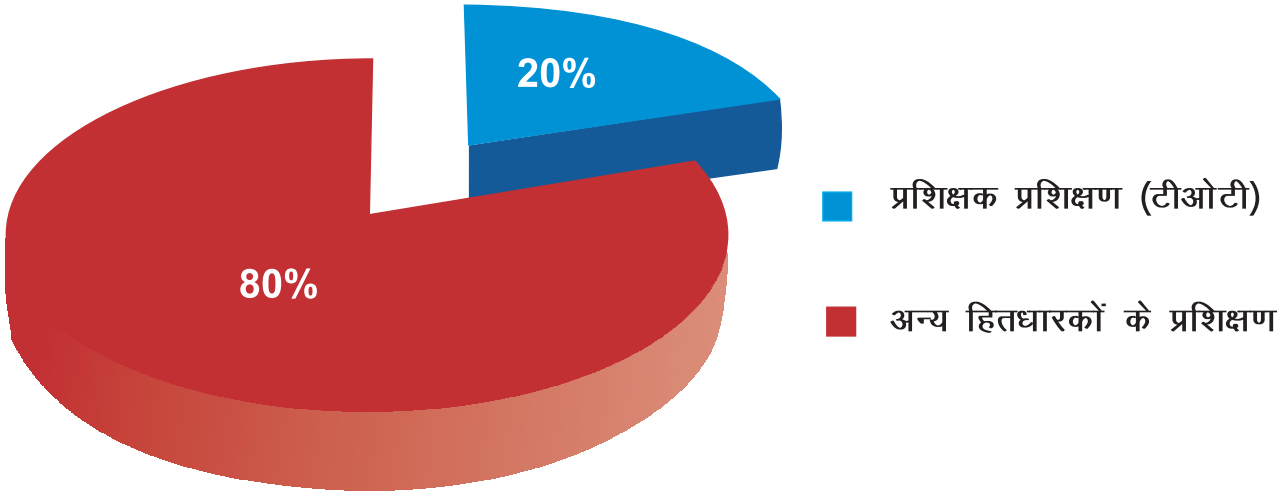
प्रशिक्षित 1429 प्रशिक्षकों में से, 284 प्रशिक्षकों (टीओटी) ने प्रशिक्षक विकासीय कार्यक्रम में भाग लिया था और 1145 ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों और विभागों से अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया था। इस प्रकार, कुल आमने सामने प्रशिक्षण में 20 % प्रशिक्षण प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण और अन्य हितधारकों के लिए 80 % प्रशिक्षण प्रदान किए गए (अनुबंध – iv)

3.4.2 क्षेत्रवार प्रतिभागी

2016–17 के वर्ष के दौरान, एनआईडीएम ने पूरे भारत के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। राष्ट्रीय प्रतिभागियों के अलावा, 34 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को भी एनआईडीएम में प्रशिक्षित किया गया था। प्रतिभागियों का राज्यवार वितरण अनुबंध –II में दिया गया है।

तालिका 3.1 वर्ष 2016–17 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

प्रशिक्षण विवरण		प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)		अन्य शेयरधारकों का प्रशिक्षण	
प्रशिक्षण की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या। कुल	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	प्रतिभागियों की कुल संख्या।	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों के की कुल संख्या
44	1429	13	284	31	1145



चित्र 3.1 : 2016–17 में आयोजित फेस टू फेस ट्रेनिंग का विवरण

3.4.3 एनसीआरएमपी के तहत मास्टर ट्रेनर डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमटीडीपी) का प्रशिक्षण

एनआईडीएम ने एनडीएमए को विभिन्न परियोजनाएं राज्यों में क्षमता निर्माण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तुत की। वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान क्षमता निर्माण अध्ययन के परिणामों के लिए अनुवर्ती के रूप में एनआईडीएम ने पांच क्षेत्रों में मास्टर ट्रेनर्स विकास कार्यक्रम आयोजित किया है जैसे कि शिक्षा, पंचायती राज संस्थान, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और शहरी विकास आदि।

3.4.4 सार्क देशों के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

चालू वित्त वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) देशों के अधिकारियों के लिए 3 कार्यक्रम आयोजित किए। आयोजित कार्यक्रम अनुक्रमाक संख्या – 8,17,21 में अनुबंध – 3 में शामिल हैं।

3.5 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम, विश्व बैंक कि साझेदारी में आपदा जोखिम प्रबंधन पर ई–लर्निंग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। पाठ्यक्रम पेशेवर मार्गदर्शन के तहत आपदा जोखिमों के प्रबंधन और न्युनीकरण के बारे में जानने के लिए दूर के प्रतिभागियों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण सामग्री को ऑनलाइन पहुंचाया जाता है। और डाउनलोर्ड करके, कोर्स पूरा होने के बाद किसी भी समय उपयोग किया जा सकता है। सभी मॉड्यूल तक पंजीकृत भागीदार द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम मंच के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। कार्यक्रम में प्रस्तुतियां और ऑडियो, चर्चा मंच, प्रश्न, स्पष्टीकरण, कार्य और अंत की पाठ्यक्रम परियोजना शामिल है, जो कि अनुभवी सुविधाकर्ताओं द्वारा मूल्यांकित किया जाता है। सफल उम्मीदवारों को एनआईडीएम और विश्व बैंक संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2016–17 में कुल 3 ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 105 प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। (तालिका 3.2)

तालिका 3.2 : वर्ष 2016–17 के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम की स्थिति

स.	पाठ्यक्रम का नाम की संख्या	पाठ्यक्रम अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	प्रथम व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	01 अगस्त – 11 सितम्बर	30
2.	द्वितीय व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	15 अगस्त – 25 सितम्बर	34
3.	तृतीय व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	16 सितम्बर – 28 अक्तुबर	41

3.6 स्व–अध्ययन कार्यक्रम

एनआईडीएम सामान्य जनता के साथ–साथ सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए स्व–अध्ययन पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो कि आपदाओं का प्रबंधन करने की भूमिका और जिम्मेदारी रखते हैं। इस कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रमों तक कम समय में सुविधा के अनुसार देश में कहीं से भी आसानी से पहुंचा जा सकता है।

एनआईडीएम स्वयं अध्ययन कार्यक्रम के तहत 10 पाठ्यक्रमों को पूरा कर चुका है। पाठ्यक्रम में शामिल हैं (i) आपदा प्रबंधन की मूल बातें (ii) समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीएम) (iii) नागरिक रक्षा स्वयंसेवकों के लिए एक गाइड (iv) सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए एक गाइड (v) स्कूल सुरक्षा (vi) बाढ़ परिचय, जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (vii) चक्रवात परिचय, जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (viii) भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (ix) भूकंप जोखिम परिचय, न्यूनीकरण और प्रबंधन (x) रासायनिक तथा औद्योगिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय। स्व–अध्ययन कार्यक्रम के तहत सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों को वेबसाइट www-nidmssp-in पर संस्थान द्वारा लॉन्च किया गया है।

अध्याय 4

परियोजनाएं

अध्याय 4 : परियोजनाएं

एनआईडीएम आपदा और विकास के विभिन्न आयामों पर अन्य मंत्रालयों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ अनुसंधान, परामर्श और सहयोगी परियोजनाओं का आयोजन करता है। इन परियोजना परिणामों का उपयोग, खतरा परिदृश्य, योजनाओं और नीति दस्तावेजों को विकसित करने और क्षेत्र से प्राप्त प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट के लिए किया जाता है। एनआईडीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शोध परिणामों का उपयोग प्रभावी ढंग से, केस स्टडी मॉड्यूल विकसित करने के लिए उपयोग किया जाता है

4.1 राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना (एनसीआरएमपी)

एनआईडीएम को एनसीआरएमपी के कार्यान्वयन घटक 'सी' का कार्य सौंपा गया है। एनसीआरएमपी के घटक 'सी' का विशिष्ट उद्देश्य समग्र विकास एजेंडा में जोखिम न्यूनीकरण उपायों के मुख्यधारा को सक्षम करने के लिए केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर आपदा जोखिम में कमी (डीआरएम) क्षमता को मजबूत करना रहा है। इस घटक के तहत एनआईडीएम द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में शामिल हैं: – (ए) भारत में डीआरआर के लिए ''दीर्घकालिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करना'' पर अध्ययन और (बी) भारत में पूर्व आपदा आवश्यकता आकलन (पीडीएनए) पर अध्ययन। एनआईडीएम ने एनसीआरएमपी के तहत अध्ययन शुरू किया और अध्ययन के परिणाम के रूप में विभिन्न दस्तावेज विकसित किए। क्षमता निर्माण के लिए प्राथमिक प्रशिक्षण विषय निम्नानुसार हैं :

i. विकास योजना में डीआरआर मुख्य धारा में
ii. विकास नीतियों और कार्यक्रमों में डीआरआर मुख्य धारा में
iii. सिटी डेवलपमेंट प्लान (सीडीपी) और उनके कार्यान्वयन रणनीतियों में डीआरआर मुख्य धारा में
iv. भूमि पर विकास के लिए डीआरआर को मुख्य धारा में लाने के लिए पीआरआई को सुदृढ़ बनाना
v. आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की तैयारी करना ज्ञान, नवीनता और शिक्षा के माध्यम से सुरक्षा और लचीलापन की संस्कृति बनाना
vi. प्रारंभिक चेतावनी और अंतिम मील सम्पर्क सहित आपातकालीन संचार को सुदृढ़ करना
vii. समुदाय के नेतृत्व में खतरे जोखिम और क्षमता (सीएलएचआरवीसी) मूल्यांकन
viii. भागीदारी प्रशिक्षण और क्षमता की आवश्यकता मूल्यांकन (पीटीसीएनए)
ix. भागीदारी मूल्यांकन और कार्य सीखना (पीईएल)
x. आपदा प्रबंधन योजनाओं में लिंग दृष्टिकोण को एकीकृत करना
xi. आपदा प्रबंधन पर जन जागरूकता पैदा करने में मीडिया का उपयोग
xii. ज्ञान, नवीनता और शिक्षा के माध्यम से सुरक्षा और लचीलापन की संस्कृति बनाना

मॉड्यूल, आधार मॉड्यूल और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मॉड्यूल उपर्युक्त में से निम्नलिखित विषयों के लिए तैयार किए गए थे :

i. ग्रामीण विकास

ii. स्वास्थ्य
iii. शिक्षा
iv. शहरी स्थानीय निकाय
v. पंचायती राज संस्थान
vi. मीडिया – वरिष्ठ पत्रकारों के लिए
vii. मीडिया – प्रवेश स्तर के पत्रकारों के लिए

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनआईडीएम ने भी लोगों के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए मीडिया रणनीति विकसित की, भारत में क्षमता निर्माण की स्थिति पर एक श्वेत पत्र विकसित किया, प्रत्यायन नीति पर एक दृष्टिकोण पत्र, आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण नीति, उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश और संस्थागत सुदृढ़ीकरण को विकसित किया गया।

एनआईडीएम पांच क्षेत्रों में मास्टर ट्रेनर डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रहा है जिनमें शिक्षा, पंचायती राज संस्थान, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और शहरी विकास शामिल है। यह चालू वित्तीय वर्ष में एक अनुवर्ती के रूप में क्षमता निर्माण अध्ययन के परिणामों के लिए है।

4.2 : आपदा पूर्व आवश्यकतांए, भारत के लिए आकलन अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य, भारत से संबंधित मानकीकृत पीडीएनए उपकरण विकसित करने के लिए, मौजूदा पीडीएनए उपकरणों को मौजूदा प्रक्रिया में पहचान कर, प्रासंगिक हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण करने के लिए सिफारिशें प्रदान करते हैं और मूल्यांकन का उपयोग करने के लिए विशेषज्ञों का एक पैनल बनाते हैं जो नए पीडीएनए उपकरण जो कि पाठ्यक्रम के दौरान विकसित होगें, का अध्ययन करेगें।

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत के लिए वैज्ञानिक और उद्देश्य दृष्टिकोण के आधार पर मानकीकृत पीडीएनए उपकरण को विकासित करना है। यह निम्नलिखित दस प्रतिनिधि राज्यों – तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात और महाराष्ट्र के लिए आयोजित किया जाएगा। यह अध्ययन उपकरण विकसित करने में मदद करेगा, जो वर्तमान प्रणाली में अंतराल को भरने में सहयोग देगा। जिसके फलस्वरूप एक मजबुत आपदा पूर्व क्षति और मूल्यांकन तंत्र तैयार किया जा सकेगा।

परियोजना अंततः राज्य सरकारों को आपदा के दौरान किए गए नुकसान के अधिक सटीक और पारदर्शी आकलन करने में मदद करेगी और इस प्रकार एक मानक विधि के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतों को पूरा करने में भी सहायता प्रदान करेगी।

अध्ययन 31 जनवरी 2017 को पूरा हो गया। सलाहकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी उपायों को तकनीकी संचालन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था।

4.3 एनआईडीएम – जेएनयू आपदा अनुसंधान कार्यक्रम (डीआरपी)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने 2015 में एक दूसरे के साथ सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है जो निम्न है। :

- संयुक्त अनुसंधान गतिविधियां, सेमिनार, सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और शैक्षिक बैठकें
- शैक्षिक सामग्री, डेटा और अन्य शैक्षिक और प्रशासनिक जानकारी का आदान–प्रदान
- दोनों संस्थानों से संकाय के साथ संयुक्त रूप से, सह–पर्यवेक्षण की पेशकश की गई पाठ्यक्रम और जहां भी संभव हो शिक्षण में एक दूसरे का सहयोग किया जायेगा।

इस सहयोग के तहत निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं :

1) अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 8–11 दिसंबर, को जेएनयू नई दिल्ली में ट्रांस–डिसेपलेनरी डिसस्टर रिसर्च प्रोग्राम, जेएनयू–राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण– और एशिया–पेसीफीक स्कूल और लोक प्रशासन तथा प्रशासन के संस्थान, (एनएपीएसआईपीएजी) श्री लंका के सहयोग से आयोजित की गई।
2) जेएनयू–एनआईडीएम सहयोगी आपदा अनुसंधान कार्यक्रम 22 से 25 अक्टूबर 2016 ''शहरी बाढ़ और सार्वजनिक स्वास्थ्य'', पर राष्ट्रीय कार्यशाला लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
3) 9 जून 2016 को जेएनयू, दिल्ली में जेएनयू–एनआईडीएम सहयोगी आपदा अनुसंधान कार्यक्रम की वार्षिक रिपोर्टों का विमोचन।
4) मणिपुर में 09–11 अप्रैल 2016 से समुदाय लचीलापन, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड के निर्माण में प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर संबोधन।

अध्याय 5

ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता क्रियाएँ

अध्याय 5 : ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता क्रियाएँ

5.1 भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)

आईडीआरएन की शुरूआत गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जीओआई – यूएनडीपी आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) कार्यक्रम के तहत वर्ष 2003 में की गई थी। (चित्र 5.1)



चित्र 5.1 आईडीआरएन पोर्टल का होम पेज www.idrn.gov.in

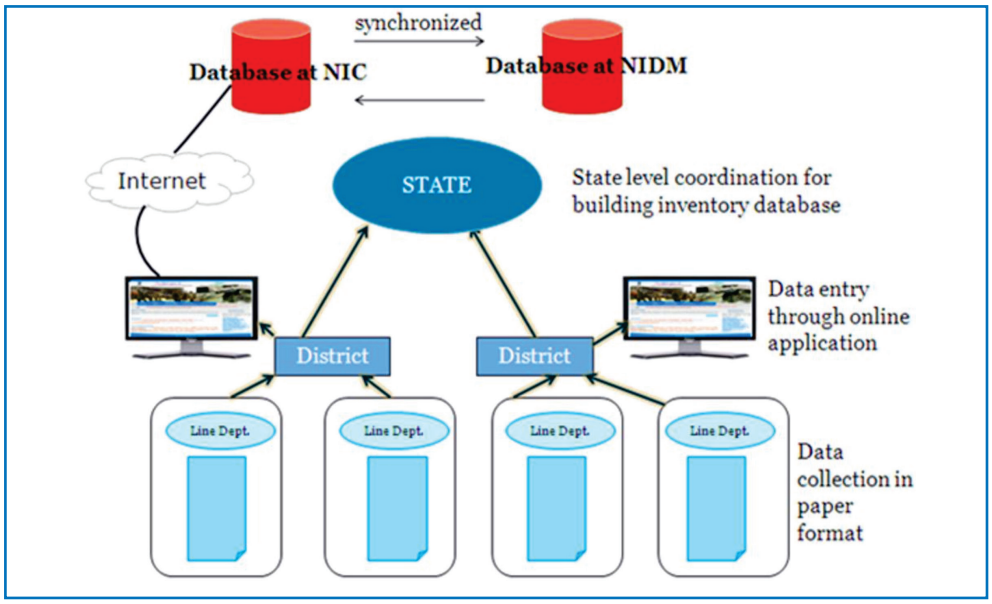
आईडीआरएन के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए, गृह मंत्रालय ने एनआईडीएम को 2008 से इसकी निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आईडीआरएन एक बहुत ही उपयोगी पोर्टल है क्योंकि यह उपकरण, मानव संसाधन और महत्वपूर्ण आपूर्ति के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करता है, जो सम्बंधित विभागों और एजेंसियों के साथ जिला स्तर पर उपलब्ध हैं। किसी भी आपातकालीन स्थितियों में राज्य और जिला प्राधिकरण समय–समय पर सभी उपलब्ध संसाधनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आईडीआरएन का उपयोग कर सकते हैं, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति के दौरान जीवन की हानि और संपत्ति के नुकसान और अन्य बुनियादी ढांचे को होने वाली क्षति को कम करने में बहुत सहायक होगा।

5.1.1 आईडीआरएन कैसे काम करता है

वर्तमान में आईडीआरएन पोर्टल की निगरानी और रखरखाव एनआईडीएम केंद्र द्वारा किया जाता है। एनआईडीएम

की भूमिका उपयोगकर्ता प्रशासन तक ही सीमित है। आईडीआरएन पोर्टल में डेटा अपडेट करने के लिए जिलाधिकारी / जिला कलेक्टर के साथ राहत/राजस्व/आपदा प्रबंधन और एसडीएमए के राज्य विभाग के अधिकारी अधिकृत है। डेटा संग्रह स्वरूप जिला कलेक्टर कार्यालय से समंबधित विभागों/एजेंसियों को वितरित किए जाते हैं। एनआईसी के जिला सूचना अधिकारियों की तकनीकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जिला स्तर पर डेटा प्रविष्ट किया जाता है। (चित्र 5.2)



चित्र 5.2: आईडीआरएन के कामकाज को दर्शाते हुए योजनाबद्ध आरेख

5.2 एनआईडीएम प्रशिक्षणार्थी डेटाबेस

हर साल एनआईडीएम अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आमने–सामने कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। सरकार आकडों के लिए इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रशिक्षुओं का पूरा डेटाबेस ऑनलाइन रखा गया है। इन प्रशिक्षुओं की पूर्ण जानकारी एनआईडीएम वेबसाइट पर 2009 से उपलब्ध है। पाठ्यक्रम के अनुसार और राज्यवार पूर्ण इनको नियोजित किया गया है।

यूआरएल: http: //nidm.gov.in/trainee.asp

5.3 दस्तावेजीकरण और प्रकाशन

सूचना को संसाधन के रूप में माना जाता है, जो संगठनात्मक लक्ष्यों की उपलब्धि में योगदान देती है। जानकारी का मूल्य उसके प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से अधिकतम किया जाता है। एनआईडीएम के प्रमुख कार्यो में संस्थान के प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों के लिए आपदा प्रबंधन और विकास से संबंधित जानकारी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए निरंतर एक साथ प्रयास करना है। एनआईडीएम पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं:

- अधिग्रहण कार्य
- संदर्भ और रेफरल कार्य
- परिसंचरण कार्य
- आवधिक कार्य
- पुस्तकालय स्वचालन

तालिका 5.1: 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक पुस्तकालय सांख्यिकी

क्र.सं.	सामग्री	योग
1	31–3–2017 को कुल स्टॉक (पुस्तकें, और बाध्य मात्रा और सीडी सहित)	2371
2	वर्ष के दौरान पुस्तकों की कुल बढ़ोतरी	02
3	आवधिक सदस्यता (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)	शून्य
4	निशुल्क न्यूजलेटर	06
5	आदान प्रदान में प्राप्त पत्रिकांए	02
6	समाचार पत्रों की सदस्यता संख्या	13
7	पत्रिकाओं की सदस्यता संख्या	11
8	अंतरपुस्तकालय ऋण	02
9	डेलनेट पर अपलोड की गई किताबों की संख्या 31 मार्च 2017 तक	400

5.4 सूचना प्रसार

आपदा और विकास पर जानकारी प्रसारित करना, संस्थान का एक प्रमुख कार्य है, इस कार्य को पूरा करने के लिए संस्थान नियमित रूप से एक त्रैमासिक न्यूजलेटर, शोध हाइलाइट्स, और पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनार और कार्यशालाओं और आपदा विकास आंकड़ों की सिफारिशें प्रकाशित करता है। प्रकाशन, नीति निर्माताओं को आपदा और विकास कार्यक्रमों की बेहतर योजना और प्रबंधन के लिए जमीन की वास्तविकताओं, प्रस्तावों और दिशानिर्देशों पर प्रतिक्रिया प्रदान करने में सहायता करते हैं।

5.4.1 न्यूजलेटर



एनआईडीएम न्यूजलेटर "टाइडिंग" एक त्रैमासिक प्रकाशन है। यह नियमित रूप से एनआईडीएम द्वारा किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं पर प्रकाश डालता है। अगले तीन महीनों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, न्यूजलेटर में संकाय विकास, सफलता की कहानियां, दौरे और प्रतिनिधिमंडलों आदि की खबरें शामिल होती है।

यूआरएल : http: //nidm.gov.in/newsleter.asp

5.4.2 मासिक अपडेट



एनआईडीएम मासिक कार्यक्रमों के माध्यम से नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, क्षेत्रीय यात्राओं और अन्य सभी गतिविधियों सहित हाल की गतिविधियों के बारे में अद्यतन करता रहता है। अगले महीनों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, मासिक अपडेट संकाय विकास, सफलता की कहानियां, दौरे और प्रतिनिधिमंडलों आदि की खबरों को शामिल करते हैं। इस माध्यम से, एनआईडीएम राज्य एटीआई, शैक्षिक संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों के और एनजीओ के साथ नियमित संपर्क बनाए रखता है। यह गतिविधि अक्टूबर 2013 में शुरू की गई थी। वर्ष 2016–17 के दौरान, एनआईडीएम ने बारह मासिक अपडेट दिये थे, इन्हें नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट किया जाता है और http://nidm.gov.in/mupdate.asp से डाउनलोड किया जा सकता है।

5.5 सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री

आपदा और विकास पर जानकारी प्रसारित करना संस्थान का एक प्रमुख कार्य है। इस कार्य को पूरा करने में, संस्थान नियमित रूप से एक द्विवार्षिक पत्रिका, एक त्रैमासिक न्यूजलेटर, शोध हाइलाइट्स, और पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनार और कार्यशालाओं की सिफारिशें, आपदा विकास आंकड़ों और विभिन्न सूचनाओं और शिक्षा सामग्री को प्रस्तुत करता है। प्रकाशन, नीति निर्माताओं को आपदा और विकास कार्यक्रमों की बेहतर योजना और प्रबंधन के लिए जमीन की वास्तविकताओं, प्रस्तावों और दिशानिर्देशों पर प्रतिक्रिया प्रदान करने में सहायता करते हैं। विभिन्न आपदाओं और उनके प्रबंधन पर जानकारी और जागरूकता पैदा करने के लिए, एनआईडीएम नियमित रूप से विभिन्न जागरूकता निर्माण गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ आईईसी सामग्री प्रकाशित करता है। ये सभी प्रकाशन एनआईडीएम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और http://nidm-gov-in/iec-asp द्वारा इस तक पहुंचा जा सकता है। एनआईडीएम द्वारा विकसित आईईसी सामग्री का आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न हितधारकों द्वारा स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है और व्यापक प्रसार के लिए विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है।

5.5.1 एनआईडीएम की भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) – 2016, 14 से 27 नवंबर 2016 में भागीदारी

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) हर साल भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित एक व्यापारिक मेला है। मेला हर साल 14–27 नवंबर के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है। आईआईटीएफ एक मेगा इवेंट है और दुनिया भर से बड़ी संख्या में व्यापार प्रतिनिधि हर साल इस मेले में आते हैं। कई सरकारी संगठन जनता के बीच अपने कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस मंच का उपयोग करते हैं। भारत के संघीय सरकार के लगभग सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। इस साल की थीम ''मेक इन इंडिया'' थी, जिसने भारत की उद्यमी क्षमताओं को

व्यक्त किया, जिससे अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में काफी प्रभाव पड़ा। चूंकि आईआईटीएफ का दौरा हर दिन लगभग एक लाख लोगों द्वारा किया जाता है, यह समाज के बीच ज्ञान प्रसारित करने और समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने का एक मंच है। एनआईडीएम पिछले पांच वर्षों से नियमित रूप से भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में भाग ले रहा है। वर्ष 2016 के दौरान, एनडीएमएम स्टॉल एनडीएमए और एनडीआरएफ के साथ हॉल नं. 2 में रखा गया था। आईआईटीएफ में एनआईडीएम स्टॉल ने प्रदर्शन और ज्ञान प्रसार के लिए वितरण और पुस्तकों की संख्या और अन्य प्रकाशनों के लिए जागरूकता सामग्री उपलब्ध कराई।



चित्रा 5.3: भारत के माननीय प्रधान मंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव श्रीमान पी के मिश्रा ने एनडीएमए, एनडीआरएफ और एनआईडीएम स्टाल का उद्घाटन किया।

डीजी, एनडीआरएफ, सचिव, एनडीएमए और कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम की उपस्थिति में 14 नवंबर, 2016 को डॉ पी के मिश्रा, अतिरिक्त प्रधान सचिव, पीएमओ ने स्टॉल का उद्घाटन और दौरा किया।

व्यापार मेले में एनआईडीएम भागीदारी की मुख्य विशेषताएं शामिल हैं:

(i) एनआईडीएम के कुल 15 प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया
(ii) 10,000 से अधिक जागरूकता सामग्री (छोटी पत्रिकाएं, पुस्तके, नारो के साथ बैग, कार्य पुस्तिका इत्यादि) वितरित किए गए थे।
(iii) स्कूल के बच्चों और समुदाय के बीच जागरूकता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और चर्चा आयोजित की गई।

हॉल नं 12, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में स्टॉल आगंतुकों, खासकर छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र था। बच्चों, महिलाओं और अन्य आगंतुकों की सभी श्रेणियों में आपदा प्रबंधन प्रणाली के बारे में जानकारी लेने कि भारी उत्सुकता थीं। उन्होंने एनआईडीएम द्वारा वितरित आईईसी सामग्री एकत्रित करने में भी रुचि दिखाई। स्कूल और सामुदायिक स्तर पर आपदा जागरूकता के बारे में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भीड़ खींचने वाला था कुल मिलाकर यह आपदाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और आपदाओं के खिलाफ उन्हें अधिक सुरक्षित और जागरूक बनाने के लिए एक बहुत अच्छी पहल थी।
आगंतुकों की प्रतिक्रिया काफी सराहनीय रही है।



चित्र 5.4 : एनआईडीएम संकाय, स्कूल के बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित करते हुये

अध्याय 6

प्रमुख आयोजन / कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी

अध्याय 6 : प्रमुख आयोजन / कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी

6.1 आपदा प्रबंधन और तैयारी, सिक्किम मठों और महिला मठों पर ध्यान केंद्रित करने और समुदाय से जुड़ने पर क्षेत्रीय कार्यशाला (21–23 सितंबर 2016)

मार्च 2016 में आयोजित 7 वें खोरयुग सम्मेलन में देश के पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी भागों में स्थित तिब्बती मठों और महिला मठों में आपदा तैयारी और प्रबंधन पर तीन क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन करने का प्रस्ताव रखा गया। इसका अनुसार, पहली क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन 21 से 23 सितंबर 2016 तक रुमटेक मठ में कर्मा श्री नालंदा संस्थान द्वारा किया गया था। एनआईडीएम ने कार्यशाला में श्री राजेश के सिंह, संयुक्त निदेशक और श्रीमती चंद्राणी बंद्योपाध्याय, सहायक प्रोफेसर को नियुक्त करके तकनीकी सहायता प्रदान की। संस्थान ने भिक्षुओं, ननों और स्थानीय स्कूल के बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए एनडीआरएफ के दृितीय बटालियन से एक प्रशिक्षण टीम की सुविधा भी प्रदान की।

सिक्किम और दार्जिलिंग के इलावा वज्र विद्या संस्थान, सारनाथ कें 8 मठों से 46 भिक्षुओं और ननों, ने कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान और कौशल विकास के संयोजन के माध्यम से भिक्षुओं और ननों में क्षमता का निर्माण करना था। इस प्रकार, खोज और बचाव के साथ–साथ प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, इस कार्यशाला के प्रमुख हिस्सा थे। पहले दिन मठों और महिला मठों के लिए आपदा जोखिम प्रबंधन के महत्व से संबंधित तकनीकी इनपुट पर ध्यान केंद्रित किया गया, आपदा प्रबंधन की महत्वपूर्ण अवधारणाओं, जोखिम मूल्यांकन के विषय में डीएम योजना के अर्न्तगत मठों और महिला मठों को अवगत करवाया गया। एनआईडीएम के वक्ताओं के अलावा, श्री जी.सी. खानल, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) के अतिरिक्त निदेशक ने सिक्किम की कमजोरीयो की व्याख्या की।



चित्र 6.1: एनडीआरएफ / एनआईडीएम द्वारा भिक्षुओं और ननों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण

6.2 एशियाई जोखिम निवारण पर एशियाई मंत्रीस्तरीय सम्मेलन, 3 से 5 नवम्बर 2016, विज्ञान भवन, नई दिल्ली

03 से 05 नवंबर 2016 को नई दिल्ली में आपदा जोखिम में न्यूनीकरण (एएमसीडीआरआर) सम्मेलन के लिए एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। आपदा जोखिम में कमी के तीसरे विश्व सम्मेलन में 187 देशों द्वारा सेंडाई फ्रेमवर्क अपनाये जाने के बाद से इस क्षेत्र में पहली ऐसी उच्च स्तरीय बैठक थी। यह एक ऐतिहासिक घटना थी जिसने 2030 तक आपदा हानियों को काफी हद तक कम करने के लिए एक स्पष्ट क्षेत्रीय योजना को अपनाने के लिए आयोजित किया गया। एएमसीडीआरआर ने इस क्षेत्र के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015–2030 सम्मेलन के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन और निगरानी को आकार देने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। एक प्रभावशाली उद्घाटन समारोह के साथ इसकी शुरूवात हुई। यह औपचारिक और साथ ही डीआरआर में नेतृत्व दोनों को प्रदर्शित करता है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन भाषण दिया जिसमें उन्होंने एशिया में आपदा लचीलापन को मजबूत करने के लिए एक महत्वाकांक्षी 10–बिंदु योजना का अनावरण किया।

एएमसीडीआरआर में छह तकनीकी सत्र थे जिसमें एनआईडीएम संकाय सदस्यों ने संबंधित सत्र में सहायक भागीदारों के साथ कुशलता से समन्वय किया। सेंडाई फ्रेमवर्क की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले पहले चार सत्रः डीआरआर को समझना, डीआरआर शासन, लचीलापन के लिए डीआरआर में निवेश और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए बेहतर तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय डीआरआर नीतियों के अनुसार, प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना और सेंडाई फ्रेमवर्क की निगरानीय और डीआरआर, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और टिकाऊ विकास के बीच मजबूत तालमेल इसके उदेश्य थे।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से एएमसीडीआरआर के उद्घाटन समारोह के दौरान राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। संबंधित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) द्वारा 10–14 साल की आयु के स्कूली बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता के पहले चरण में हिस्सा लिया।



चित्र 6.2: एएमसीडीआरआर के दौरान स्कूल के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने एएमसीडीआरआर में आयोजित ''ऑन–द–स्पॉट प्रतियोगिता'' में भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय 'आपदा, विकास और हम' था। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और बच्चों का मनोबल भी बढ़ाया।



चित्र 6.3 : एएमसीडीआरआर के दौरान स्कूल के बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता

6.3 आपदा जोखिम प्रबंधन और क्षेत्रीय सहयोग पर ईएएस सम्मेलन, इंडिया हेबिटेट सेन्टर, नई दिल्ली
2 नवंबर 2016

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भूकंप जोखिम में कमी (ईएएस–ईआरआर) केंद्र जो एनआईडीएम मे स्थित है ने एएसईएएन–भारत (एआईसी) और विकासशील देशों के अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस), पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) ने मिलकर आपदा जोखिम प्रबंधन पर एक सम्मेलन का आयोजन 2 नवंबर, 2016 को किया। इस सम्मेलन को आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एएमसीडीआरआर) पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से पूर्व आयोजित किया गया था, जिसे 3–5 नवंबर, 2016 को भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में होस्ट किया गया।

इस सम्मेलन को इसमें भाग लेने वाले देशों के बीच डीआरआर के क्षेत्र में अनुभव साझा करने के व्यापक उद्देश्य के लिए आयोजित किया गया था। सम्मेलन ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग के समकालीन मुद्दों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता के आधार पर क्षेत्रीय शमन उपायों को उत्पन्न करने के लिए प्रभावी निवारक रणनीति बनाने का अवसर प्रदान किया। श्री किरेन रिजीजू, माननीय राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय (एमएचए), भारत सरकार ने अपने भाषण के साथ सम्मेलन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में राजदूत प्रीती सरन, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, राजदूत श्याम सरन, अध्यक्ष, आरआईएस, प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरआईएस और प्रोफेसर संतोष कुमार, कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम शामिल थे। इस सम्मेलन में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। सभी ईएएस देशों ने अपने अधिकारियों को इस सम्मेलन में नामांकित किया।



चित्र 6.4 : गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजीजू ने उद्घाटन भाषण दिया

सम्मेलन को आपदा जोखिम में कमी और क्षेत्रीय सहयोग पर गहन चर्चा की सुविधा के उद्देश्य से दो सत्रों में विभाजित किया गया था। आपदा जोखिम में कमी, सतत विकास लक्ष्यों और क्षेत्रीय सहयोग पर पहले सत्र की अध्यक्षता भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य श्री कमल किशोर ने की। श्री कृष्ण वत्सा, वैश्विक सलाहकार, जलवायु जोखिम प्रबंधन, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), न्यूयॉर्क ने विशेष टिप्पणी की। एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर संतोष कुमार ने इस विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। ऑस्ट्रेलिया, चीन, कंबोडिया और वियतनाम आदि देशों के प्रतिनिधि सत्र में शामिल थे।

आपदा जोखिम प्रबंधन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग पर दूसरे सत्र की अध्यक्षता वियतनाम के प्राकृतिक आपदा निवारण और नियंत्रण विभाग, विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग के प्रमुख डॉ ले क्वांग तुआन ने की। सुश्री पूजा कपूर, जो सयुक्त सचिव (आसियान–एमएल), विदेश मामलों के मंत्रालय ने विशेष टिप्पणी की, जबकि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक श्री ओ.पी. सिंह और पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), नई दिल्ली ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। लाओ पीडीआर, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड आदि देशों के प्रतिनिधियो ने इसमे हिस्सा लिया और इस सत्र के दौरान अपने विचार रखे। सम्मेलन में आपदा जोखिम में कमी के क्षेत्र में भाग लेने वाले देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए विभिन्न घटकों को एक साथ चर्चा तथा विश्लेषण रखने में सहायता मिली।

6.4 लेह, लद्दाख में संग्रहालयों के लिए आपदा जोखिम तैयारी पर कार्यशाला 11–12 दिसंबर 2016

11 और 12 दिसंबर, 2016 के दौरान केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान ने लेह में ''लद्दाख में संग्रहालयों के लिए आपदा जोखिम तैयारी'' पर एक कार्यशाला आयोजित की। राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान (एनएमआई) ने एनआईडीएम और केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया। एनआईडीएम ने श्री राजेश के सिंह, संयुक्त निदेशक की भागीदारी के माध्यम से अपनी तकनीकी सहायता प्रदान की, जिन्होंने कार्यशाला के दौरान



चित्र 6.5 : लेह, लद्दाख में संग्रहालयों के लिए आपदा जोखिम तैयारी पर कार्यशाला

विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जिनमें बौद्ध सांस्कृतिक विरासतों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण, आपदा प्रबंधन अवधारणाओं और शर्तों, अवलोकन में संग्रहालयों का महत्व शामिल था। भारतीय संदर्भ में आपदा प्रबंधन संस्थागत तंत्र, जोखिम आकलन पद्धति और परिचय, संग्रहालयों के लिए डीएम योजना के अर्न्तगत विभिन्न कार्य और ढांचा शामिल थे। लद्दाख और सीआईबीएस के विभिन्न मठों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने मठों और संग्रहालयों के लिए 'जोखिम मूल्यांकन' और 'डीएम योजना तैयार करने' पर कार्यवाही में भाग लिया। प्रतिभागियों के लिए एक क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया गया था और उन्हें लेह के पास 'थिक्से मठ' में ले जाया गया था जहां प्रतिभागियों को खतरे, भेद्यता, क्षमता विश्लेषण करने के लिए तीन समूहों में विभाजित किया गया था। समूह (कर्मचारियों और आगंतुकों) के निर्माण, मठ (मठ और अन्य सुविधाओं) और संग्रह (मंदिरों और संग्रहालयों में) के परिप्रेक्ष्य से एचवीसीए पर केंद्रित थे। उन्होंने मठ परिसर के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया जिसमें विभिन्न श्राइन (मैत्रेय बुद्ध, महाकाल और तारा), मोंक्स, रसोई और संग्रहालय के लिए असेंबली हॉल शामिल थे (जो एक अलग इमारत में स्थित थे)। इन गतिविधियों से और एनआईडीएम एंव एनएमआई द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को प्रदान किए गए इनपुट के आधार पर, प्रतिभागियों ने थिक्से मठ के लिए आपदा प्रबंधन योजना का मसौदा तैयार किया और उसकी प्रस्तुतियां की।

कार्यशाला को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और एनआईडीएम और एनएमआई द्वारा की गई पहल के लिए सभी प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की।

6.5 इंदौर, मध्य प्रदेश में सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर दक्षिण एशियाई वक्ताओं का शिखर सम्मेलन

लोकसभा सभापति श्रीमती सुमित्रा महाजन ने 18 फरवरी 2017 को इंदौर, मध्य प्रदेश में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दक्षिण एशियाई वक्ताओं के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। भारत की संसद और अंतर–संसदीय संघ (आईपीयू) ने संयुक्त रूप से सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए दक्षिण एशियाई वक्ताओं के शिखर सम्मेलन की बैठक को आयोजित किया। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत,

मालदीव, नेपाल और श्रीलंका से संसद के अधिकारीयों ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया। शिखर सम्मेलन ने दो दिवसीय विचार–विमर्श के दौरान दक्षिण एशिया क्षेत्र से संबंधित निम्नलिखित विषयों पर चर्चा कीः (i) दक्षिण एशिया में एसडीजी कार्यान्वयन के लिए संसाधनों की पहचान : संसदीय सहयोग के अवसर (ii) निरंतर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में लिंग समानता (iii) जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के चुनौती के साथ प्रभावी ढंग से निपटनाः क्षेत्रीय संसदीय सहयोग के अवसर। प्रो संतोश कुमार ने एनआईडीएम और एसडीएमसी की ओर से एक प्रस्तुति दी।

6.6 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के परिसर का शिलान्यास समारोह (17 फरवरी 2017)

श्री किरेन रिजीजू, माननीय गृह राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 17–02–2017 को सेक्टर–29, रोहिणी, दिल्ली में एनआईडीएम परिसर की नींव रखी। इस अवसर पर श्री आर के जैन, सदस्य एनडीएमए, श्री बी बी मलिक, अतिरिक्त सचिव (डीएम), एमएचए, श्री संजीव के जिंदल, जेएस (डीएम) एमएचए, सुश्री ममता कुंद्रा, परियोजना निदेशक, एनसीआरएमपी, एनडीएमए, श्री संदीप मित्तल, निदेशक, एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस, दिल्ली आदि लोग उपस्थित रहे। एमएचए, एनडीएमए, संकाय और एनआईडीएम के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। प्रोफेसर संतोष कुमार, कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम ने मेहमानों का स्वागत किया और धन्यवाद भाषण भी दिया।



चित्र 6.6: गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजीजू ने एनआईडीएम परिसर की आधारशिला, सेक्टर –28, रोहिणी, दिल्ली में रखी

6.7 वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन (एटीसी)

एनआईडीएम ने 2017–18 के लिए आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण रणनीति पर चर्चा के लिए 7 मार्च, 2017 को अपने परिसर में वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन (एटीसी) आयोजित किया। केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों और राष्ट्रीय और राज्य स्तर के संस्थानों के 48 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन का उदेश्य विभिन्न राज्यों और एजेंसियों की आपदा प्रबंधन में जरूरतों को पूरा करने में सहायता के लिए एनआईडीएम की भूमिका की पहचान करना था। इस एटीसी ने विभिन्न क्षेत्रों में डीआरआर के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अलग–अलग एजेंसियों के साथ एनआईडीएम के सहयोग की रूप रेखा तैयार करने में मदद की।



चित्र 6.7 : ''वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन, 2017 में भागीदार

अध्याय 7

वित्त और लेखा

अध्याय : 7 वित्त और लेखा

संस्थान के वित्त और लेखा विभाग के कार्यों में बजट, लेखांकन, रसीदों के प्रबंधन और भुगतान, तैयारी और वार्षिक खातों का संकलन, मंत्रालय को लेखापरीक्षित वार्षिक खातों को जमा करना शामिल है। इसके अलावा, प्रशासन, प्रशासन से संबंधित विभिन्न मामलों पर वित्तीय सलाह प्रदान करता है।

वित्तीय वर्ष के दौरान अनुदान सहायता के लिए 750,00,000 – रुपये की राशि स्वीकृत की गई

(i) 2016–17 वर्ष के दौरान गृह मंत्रालय द्वारा एनआईडीएम के पक्ष में दिए गये अनुदान में रूपये 4,34,90,328/– अनुदान शेष के रूप में थे, जो पिछले वित वर्ष से इस वर्ष लिये गये।

(ii) राष्ट्रीय प्रबंधन कार्यक्रम पर केंद्रीय क्षेत्र योजना के उद्देश्य के लिए रूपये 77,16,90,48.73/– का उपयोग किया गया है जिसके लिए इसे मंजूरी दी गई थी।

(iii) शेष रूपये 4,13,21,279.27/– बाकि वर्ष के अंत तक बिना प्रयोग के रहा हैं, उसे अगले वर्ष के दौरान देय अनुदान सहायता के लिए समायोजित किया जाएगा। वर्ष 2016–17 के लिए इंस्टीट्यूट की बैलेंस शीट के साथ लेखा परीक्षित रिपोर्ट अनुबन्ध – 5 में दी गई है

अध्याय 8

अनुबन्ध

अध्याय 8 : अनुबन्ध की सूची

8.1 अनुबंध i : संस्थान के सदस्यों की सूची

8.2 अनुबंध ii : संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची

8.3 अनुबंध iii : एनआईडीएम में आयोजित आमने–सामने प्रशिक्षण की सूची (टीओटी, राष्ट्रीय / राज्य और अंतर्राष्ट्रीय)

8.4 अनुबंध iv : विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों की सूची

8.5 अनुबंध v : बैलेंस शीट के साथ ऑडिट रिपोर्ट

8.1 अनुबंध I : संस्थान के सदस्यों की सूची

स.	सदस्य	
1.	माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, गृह मंत्रालय, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली –110011	अध्यक्ष
2.	माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
4.	केंद्रीय गृह सचिव, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, विदेश मामलों के मंत्रालय, दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
8.	सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
9.	सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, नई मेहरावली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
11.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
12.	सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, महासागर भवन, ब्लॉक नंबर 12, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली –110003	सदस्य
13.	सचिव (सीमा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
14.	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
15.	सचिव/अपर सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
16.	महानिदेशक, सिविल डिफेन्स और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, पूर्वी ब्लॉक –7, स्तर –7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली –66	सदस्य
17.	एकीकृत रक्षा स्टाफ के उपाध्यक्ष, सिद्धांत संगठन और प्रशिक्षण (डीओटी), आईडीएस, मुख्यालय एकीकृत रक्षा कर्मचारी, 23 दक्षिण होटमेंट्स, कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली – 110 001।	सदस्य

18.	सचिव (आपदा प्रबंधन), गुजरात सरकार, राजस्व विभाग, ब्लॉक –11, 3 तल, नई सचिवालय, गांधीनगर –382010.	सदस्य
19.	सचिव (आपदा प्रबंधन), आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पुराने सचिवालय, पटना – 800 015.	सदस्य
20.	उप–कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली –11006.	सदस्य
21.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी – 248179।	सदस्य
22.	निदेशक, सरदार वल्लभाभाई पटेल, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामली, हैदराबाद – 500 052।	सदस्य
23.	महानिदेशक, भारत मौसम विभाग, मौसम भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
24.	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, जोका, डी एच रोड, कोलकाता –700104.	सदस्य
25.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	सदस्य
26.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
27.	निदेशक, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
28.	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
29.	महानिदेशक, आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500 030.	सदस्य
30.	महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वी। रामलिंगस्वामी भवन अंसारी नगर, नई दिल्ली –110 02 9।	सदस्य
31.	अध्यक्ष, उत्तराखंड प्रशासनिक सुधार आयोग, 15 9 श्रद्धा कुंज, वसंत विहार, चकराता रोड, देहरादून	सदस्य
32.	राष्ट्रीय भूकंपी सलाहकार, गृह मंत्रालय, आई.पी. एस्टेट	सदस्य
33.	सीएमडी, जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन, सुरक्षा, जे टाटा रोड, चर्चगेट, मुंबई –400 020।	सदस्य
34.	सीएमडी, इलाहाबाद बैंक, हेड ऑफिस, 2, एन एस रोड, कोलकाता– 700 001	सदस्य
35.	राष्ट्रपति, फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली	सदस्य
36.	अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीएम), कोर 4–ए, चौथा मजला, भारत आवास केंद्र, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली – 110 003.	सदस्य
37.	निदेशक, ऑल इंडिया डिजास्टर मिटिगेशन इंस्टीट्यूट, 411, सैकर पांच, नेचरराज सिनेमा के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद –9	सदस्य

38.	महासचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, 1 रेड कॉर्स रोड, नई दिल्ली	सदस्य
39.	निदेशक, राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसंधान संस्थान, उपल रोड, हैदराबाद – 500 007।	सदस्य
40.	महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
41.	प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आईआईपीए कैंपस, आईपी एस्टेट, महात्मा गांधी रोड, नई दिल्ली –110002	सदस्य
42.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आईआईपीए कैंपस, आईपी एस्टेट, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली –110002 सदस्य	सचिव

8.2 अनुबंध II : एनआईडीएम के शासी निकाय सदस्यों की सूची

सं.	नाम पता	
1.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	केंद्रीय गृह सचिव गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	अतिरिक्त सचिव (विदेश) और आपदा प्रबंधन के प्रभारी, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
4.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, नई मेहराउली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, तीसरी मंजिल, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
8.	अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रमुख सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, असम सचिवालय, दिसपुर, गुवाहाटी, असम	सदस्य
10	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, 315, सेवा भवन, आर.के.पुराम, नई दिल्ली	सदस्य
11.	निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, डायमंड हार्बर रोड, पीओ जोका, कोलकाता –7010104	सदस्य
12.	निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की –267667, उत्तराखंड	सदस्य

13.	निदेशक राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसंधान संस्थान, उपल रोड, हैदराबाद –500007	सदस्य
14.	उप–कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सेक्टर –16 सी, द्वारका, दिल्ली –110078	सदस्य
15.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान 5 बी, आईपी एस्टेट, आईआईपीए कैंपस, महात्मा गांधी मार्ग नई दिल्ली 110002	सदस्य सचिव

8.3 अनुबंध III : एनआईडीएम द्वारा आयोजित आमने–सामने प्रशिक्षण की सूची

क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	स्थान	दिनांक(एस) समन्वयक	पाठ्यक्रम की संख्या	सहभागियों
1.	ग्राम आपदा प्रबंधन योजना पर टीओटी	एचआईपीए शिमला	27 जून –1 जुलाई 2016	डॉ सुषमा गुलेरिया श्री शेखर चतुर्वेदी	31
2.	आईआरएस पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	11–15 जुलाई	कर्नल पी के पाठक	34
3.	भूस्खलन के लिए नियंत्रण उपाय	सीबीआरआई रुड़की	18–22 जुलाई	डॉ सूर्य प्रकाश	31
4.	बिजली क्षेत्र के वरिष्ठ और मध्य स्तर के अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन	सीईएससी, कोलकाता	2 9–30 जुलाई	श्री आर के सिंह कर्नल पी के पाठक श्री शेखर चतुर्वेदी	58
5.	स्कूल सुरक्षा पर टीओटी	एनआईटीएम	1–5 अगस्त	डॉ रितु राज डॉ अमीर अली खान	36
6.	आईआरएसः बेसिक और इंटरमीडिएट	दादरा और नगर हवेली	8–12 अगस्त	कर्नल पी के पाठक श्री के सिंह	64
7.	सिटी डेवलपमेंट प्लान पर मुख्यधारा डीआरआर पर टीओटी	यशदा महाराष्ट्र	2 9 –31 अगस्त	चंद्राणी बंद्योपाध्याय श्री शेखर चतुर्वेदी	14
8.	सार्क देशों के दक्षिण एशिया के अधिकारियों के लिएं भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	एनआईडीएम	2 9 अगस्त –2 सितंबर	डॉ सूर्य प्रकाश	22
9.	निर्मित सुविधाओं के लिए तीव ओर साफ नजरिया (भूकंप जोखिम के लिए)	एटीआई मणिपुर	5–9 सितंबर	डॉ चंदन घोष डॉ अमीर अली खान	31
10.	आईआरएस : योजना अनुभाग मुखिया	एनआईडीएम	5–9 सितंबर	कर्नल पी के पाठक	19
11.	यूएलबी के संबंध में मुख्यधारा डीआरआर का महत्व	पश्चिम बंगाल	5–9 सितंबर	श्री शेखर चतुर्वेदी	24
12.	यूएनईएसएपीएपी के साथ संयुक्त रूप से सतत विकास योजना में मुख्यधारा डीआरआर का महत्व	एनआईडीएम	13–16 सितंबर	डॉ अनिल के गुप्ता डा अजिंदर वालिया	24
13.	वन अग्नि जोखिम कमी और आपातकालीन प्रतिक्रिया	एफआरआई देहरादून	1 9–23 सितंबर	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	29

14.	लिंग और आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	19 – 23 सितंबर, 2016	डा अजिंदर वालिया डॉ रितु राज	26
15.	मठो के लिए आपदा प्रबंधन	रुमटेक, सिक्किम	21–23 सितंबर	श्री आर के सिंह चंद्राणी बंद्योपाध्याय	46
16.	इम्फाल नगर परिषद काउंसिलर्स के लिए भूकंप आपदा / संरचनात्मक व्यवहार और कानुन व्यवस्था का निर्माण	एसएटी, मणिपुर	22–23 सितंबर	डॉ चंदन घोष डॉ अमीर अली खान	81
17.	सार्क देशों के अधिकारियों के लिए बाढ़ जोखिम प्रबंधन पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनआईडीएम	26–30 सितंबर	डॉ सूर्य प्रकाश	16
18.	(भूकंप जोखिम) सुविधाओं के लिए तीव्र ओर साफ नजरिया	एनआईटी सिलचर	4–6 अक्टूबर	डॉ चंदन घोष डॉ अमीर अली खान	74
19.	घटना प्रतिक्रिया प्रणाली	एचआईपीए शिमला	13–15 अक्टूबर	कर्नल पी के पाठक	25
20.	जिला आपदा प्रबंधन योजना का गठन	एसआईआरडी यूपी	21–25 नवंबर	श्री शेखर चतुर्वेदी चंद्राणी बंद्योपाध्याय	74
21.	तटीय क्षेत्र प्रबंधन और आपदा जोखिम में कमी पर सार्क क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनआईडीएम	21–25 नवंबर	डॉ सूर्य प्रकाश	24
22.	स्कूल सुरक्षा पर टीओटी	एनआईडीएम	28 नवंबर –2 दिसंबर	डॉ रितु राज डॉ ए डी कौशिक	23
23.	आईआरएस – घटना कमांडर पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	5–6 दिसंबर	कर्नल पी के पाठक	25
24.	(भूकंप जोखिम) सुविधाओं के लिए तीव्र ओर साफ नजरिया	एएएससी, गुवाहाटी	6–8 दिसंबर	डॉ चंदन घोष डॉ अमीर अली खान	31
25.	आईआरएस ऑपरेशन सेक्शन चीफ पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	7–9 दिसंबर	कर्नल पी के पाठक	24
26.	भीड़ प्रबंधनः भगदड़ जोखिम न्यूनीकरण	सीजीएए, छत्तीसगढ़	28–30 दिसंबर	श्री शेखर चतुर्वेदी	36
27.	ज्ञान और शिक्षा (एनसीआरएमपी के तहत) के माध्यम से आपदा जोखिम में कमी की संस्कृति के निर्माण पर मास्टर ट्रेनर विकास कार्यक्रम	एनआईडीएम	9–13 जनवरी 2017	डॉ रितु राज	14
28.	दूरदर्शन के सहयोग से आपातकाल और आपदा स्थिति में संचार	एनआईडीएम	17–18 जनवरी	डॉ सूर्य प्रकाश	34

29	ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से स्कूलों में सुरक्षा की संस्कृति का निर्माण (एचसीएमआरआईपी)	जयपुर	30 जनवरी –3 फरवरी	डॉ अमीर अली खान डॉ ए डी कौशिक	22
30.	आपदाओं के खिलाफ तटीय समुदाय में जागरूकता	जीआईडीएम	1 –3 फरवरी	डॉ सुषमा गुलेरिया डॉ अनिल के गुप्ता	24
31.	आपदा साइको–सोशल केयर	डीडीएमए	7–9 फरवरी	डा अजिंदर वालिया डॉ सुषमा गुलेरिया	20
32.	बायो–इंजीनियरिंग द्वारा भूस्खलन न्यूनीकरण		7–9 फरवरी	डॉ चंदन घोष डॉ अनिल के गुप्ता	39
33.	अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना पर मास्टर ट्रेनर विकास कार्यक्रम (एनसीआरएमपी के तहत)	एनआईडीएम	13–17 फरवरी	डॉ अमीर अली खान	27
34.	बायो–इंजीनियरिंग द्वारा भूस्खलन न्यूनीकरण	एटीआई मेघालय	21–23 फरवरी	डॉ चंदन घोष डॉ सूर्य प्रकाश	65
35.	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	डीएमएमसी देहरादून	27 फरवरी – 3 मार्च	डॉ ए डी कौशिक डॉ सूर्य प्रकाश	63
36.	पीआरआई क्षेत्र में मुख्य डीआरआर के अर्न्तगत मुख्य प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम (एनसीआरएमपी के तहत)	एनआईडीएम	27 फरवरी – 3 मार्च	श्री शेखर चतुर्वेदी चंद्राणी बंद्योपाध्याय	18
37.	आपदा और मानव तस्करी	एनआईडीएम	6–8 मार्च	डा अजिंदर वालिया	27
38.	आईआरएस : लॉजिस्टिक सेक्शन चीफ पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	6–10 मार्च	कर्नल पी के पाठक	18
39.	जिला आपदा प्रबंधन योजना का गठन	एटीआई मिजोरम	15–17 मार्च	श्री शेखर चतुर्वेदी	22
40.	वन अग्नि जोखिम न्यूनीकरण और आपातकालीन प्रतिक्रिया	एटीआई नागालैंड	20–22 मार्च	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	45
41.	ग्रामीण विकास क्षेत्र में मुख्यधारा के डीआरआर पर मुख्य प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम (एनसीआरएमपी के तहत)	एनआईडीएम	20–24 मार्च	डॉ सुषमा गुलेरिया श्री शेखर चतुर्वेदी	11
42.	गृह रक्षक और नागरिक सुरक्षा के लिए आपदा प्रबंधन	सिविल रक्षा मुख्यालय पंचकुला	27–29 मार्च	कर्नल पी के पाठक डॉ सुषमा गुलेरिया	32

43.	शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्र में मुख्यधारा के डीआरआर पर मुख्य प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम (एनसीआरएमपी के तहत)	एनआईडीएम	27–31 मार्च	चंद्राणी बंद्योपाध्याय श्री शेखर चतुर्वेदी	09
44.	कश्मीर विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन कार्यक्रम	एनआईडीएम	27–31 मार्च	डा अजिंदर वालिया	17
				कुल	1429

8.4 अनुबंध iv : भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों की सूची

स.	राज्य का नाम	प्रशिक्षणार्थी
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	10
2.	आंध्र प्रदेश	19
3.	अरूणाचल प्रदेश	02
3.	असम	112
4.	बिहार	02
5.	चंडीगढ़	03
6.	छत्तीसगढ़	48
7.	दादरा एवं नगर हवेली	66
8.	दमन और दीव	05
9.	दिल्ली	78
10	गोवा	19
11.	गुजरात	45
12.	हरियाणा	35
13.	हिमाचल प्रदेश	106
14.	जम्मू और कश्मीर	26
15.	झारखंड	05
16.	कर्नाटक	13
17.	केरल	11
18.	मध्य प्रदेश	08
19.	महाराष्ट्र	42
20.	मणिपुर	112
21.	मेघालय	84
22	मिजोरम	29
23	नगालैंड	51
24	ओडिशा	37
25	पुडुचेरी	03
26	पंजाब	10
27	राजस्थान	32
28	सिक्किम	48
29	तमिलनाडु	18
30	तेलंगाना	03
31	त्रिपुरा	11
32	उत्तर प्रदेश	104
33	उत्तराखंड	97
34	पश्चिम बंगाल	101
35	अंतर्राष्ट्रीय और अन्य	34

8.5 अनुबंध V : ऑडिट रिपोर्ट बैलंस शीट के साथ

सेवा में
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
नई दिल्ली।

1. हमने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के 31 मार्च, 2017 तक के संलग्न तुलन पत्र का वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा किया है, जिसमें इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते (नकद आधार पर बनाए गये) और प्राप्ति और भुगतान खाता भी शामिल है। महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सारांश इसके साथ जोड़ा गया है।

2. वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी
प्रबंधन इन वित्तिय विवरणों को तैयार करने और उसमें प्रस्तुत विवरणों की सचाई और निष्पक्षता के लिए पुरी तरह से जिम्मेदार है इस जिम्मेदारी में तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक, आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है प्रस्तुत वित्तीय विवरण सच्चे और निष्पक्ष दृष्टिकोण देने वाले तथा भौतिक गलती से मुक्त हैं, चाहे व धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

3. ऑडिटर उत्तरदायित्व
हमारी जिम्मेदारी प्रस्तुत वित्तीय विवरणों के आधार पर लेखापरीक्षा पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी ऑडिटीज के मानकों के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं और अनुपालन और लेखा परीक्षा का निष्पादन करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतियों से मुक्त हैं या नहीं।

एक ऑडिट में वित्तीय विवरणों के बारे में लेखों और खुलासे के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। चयनित प्रक्रियाएं, ऑडिटर के फैसले पर निर्भर करती है, जिसमें वित्तीय विवरणों के भौतिक गलतफहमी के जोखिम के आकलन शामिल हैं, वह चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो उन जोखिम आकलनों को बनाने में, लेखा परीक्षक ऑडिटी की तैयारी और वित्तीय वक्तव्यों के उचित प्रस्तुतीकरण के लिए आंतरिक नियंत्रण को मानता है ताकि परिस्थितियों में उपयुक्त ऑडिटिंग प्रक्रिया की जा सके, लेकिन इसमें इकाई की प्रभावशीलता पर कोई राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं है। आंतरिक नियंत्रण, एक लेखापरीक्षा में लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की उचितता, साथ ही वित्तीय वक्तव्यों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है।

हमारा मानना है कि हमारे ऑडिट राय प्रस्तुत करने के लिए हमारे पास पर्याप्त और उपयुक्त विवरण प्राप्त है।

4. हमारे द्वारा कि गयी उपरोक्त टिप्पणियों तथा अनुबन्धों के अलावा हम निम्न प्रतिवेदन प्रस्तुत करते है :–

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिया है, जो हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम है।

(ii) हमारे विचार में कानूनी आधार पर खातों की उचित किताबें (नकद आधार पर बनाई गई) प्रस्तुतकर्ता द्वारा रखी गई है, जो कि यह हमारी परीक्षा से दिखाई देता है,

(iii) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय और व्यय खाते जो प्रस्तुत किये गये है खातों के सभी अनुबंधो को पुरा करते है।

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, इस रिर्पाट पर हमारी निम्न टिप्पणियों है :–

– रुपए के स्रोत पर, कुल कर की कटौती 2,53,673.65 हैं जो खातों में मिलन नहीं हो रही है, और पुनर्प्राप्ति योग्य भी नहीं हैं

इन खातों को महत्वपूर्ण लेखांकन एवं प्रबंधन नीतियों, आकस्मिक देयता और नोट्स पर लेखों के साथ साथ अनुसूची – 11 के कानुन के अनुसार भारत में सामान्यतः स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चे और निष्पक्ष दृश्य से दिया जाता हैं :–

(i) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के 31.03.2017 के प्रस्तुत खातों के मामले में तथा

(ii) आय और व्यय खाते के मामले में, उस तिथि पर समाप्त होने वाले वर्ष में ''आय व्यय कि तुलना मे अधिक है''।

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 04–12–2017

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची	चालु वर्ष राशि रूपये पैसे 31.03.2017	गत वर्ष राशि रूपये पैसे 31.03.2016
कोष/चालू निधि और देनदारियां			
आरक्षित और अधिशेष	'1'	112,784,532.38	105,887,003.11
भुमि के लिए पूंजी अनुदान	.	–	10,000,000.00
चालू देनदारियां और प्रावधान	'2'	62,726,339.27	45,797,229.00
	कुल	175,510,871.65	161,684,232.11
सम्पतियां			
अचल सम्पतिया	'3'	68,082,544.00	59,872,762.00
निवेश	'4'	105,499,000.00	38,075,838.00
चल सम्पतियां, ऋण और अग्रिम	'5'	1,929,327.65	63,735,632.11
	कुल	175,510,871.65	161,684,232.11
अभिप्रायपुर्ण लेखांकन नितियां और खातों पर टिप्पणियां	'11'		

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

	सारणी	31.03.2017 रूपये रूपये पैसे	31.03.2016 रूपये रूपये पैसे
एमएचए द्वारा आय / अनुदान			
एमएचअए द्वारा अनुदान	'6'	75,000,000.00	120,000,000.00
	कुल ए	75,000,000.00	120,000,000.00
एमएचए द्वारा अनुदान खर्च			
स्थापना व्यय	'7'	37,287,386.00	34,269,344.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	'8'	28,641,472.73	29,695,267.64
प्रशिक्षन कार्यक्रम / कार्यशालाओं पर व्यय	'9'	11,225,458.00	35,140,827.89
मूल्यह्रास	'3'	948,154.00	1,439,423.00
	कुल बी	78,102,470.73	100,544,862.53
एमएचअए अनुदान का शेष अधिशेष (ए–बी)		(3,102,470.73)	19,455,137.47
अन्य स्रोत्रों से आय / खर्च			
सावर्धि जमा पर अर्जित ब्याज (सीपीएफ)	'10'	2,864,674.00	2,987,817.00
सावर्धि जमा पर अर्जित ब्याज (अन्य)	'10'	7,656,426.00	4,838,457.00
अभिप्रायपुर्ण लेखांकन नितियां और खातों पर टिप्पणियां	'11'		

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

		31,.03.2017 को राशि	31,.03.2016 को राशि
सारणी : 1 आरक्षित और अधिशेष			
प्रारंभिक शेष		105,887,003.11	86,431,865.64
घटा : गत वर्ष की संशोधन			
जमा : व्यय(आय) की आय(व्यय) पर अधिकता		(3,102,470.73)	19,455,137.47
भुमि पूजीं अनुदान से स्थांतरित		10,000,000.00	–
	कुल	112,784,532.38	105,887,003.11

सारणी : 2 चालू देनदारियां और प्रावधान

	31,.03.2017 को राशि	31,.03.2016 को राशि
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि		
प्रारंभिक शेष	35,088,323.00	29,612,531.00
जमा : नियोक्ता योगदान	2,222,860.00	1,770,703.00
: कर्मचारी अंशदान	2,553,635.00	1,880,803.00
: सीपीएफ पर ब्याज	2,641,421.00	2,477,714.00
	42,506,239.00	35,741,751.00
घटा : निकासी / अग्रिम	(721,000.00)	(653,428.00)
	41,785,239.00	35,088,323.00
सरकार को देय अन्य आय	11,561,871.00	8,054,780.00
अग्रिम धन जमा	261,298.00	261,298.00
देययोग्य खर्च	8,220,844.00	2,251,019.00
प्राप्त सुरक्षा राशि	101,809.00	141,809.00
बैंक शेष (अधिक जारी किये गये चैक)	795,278.27	–
कुल	62,726,339.27	45,797,229.00

सारणी : 4 निवेश

युको बैंक में सवधि जमा (कर्मचारी योगदायी भविष्य निधि)		42,339,267.00	38,075,838.00
युको बैंक में सवधि जमा (अन्य)		63,159,733.00	–
	कुल	105,499,000.00	38,075,838.00

सारणी : 5 चल सम्पति, ऋण और अग्रिम

ए	चल समप्तियां		
	युको बैंक खाता संख्या 18200200000924	–	61,483,142.46
	स्व हस्तांतरित खाता	–	–
	बैंक शेष	–	61,483,142,46
बी	ऋण, अग्रिम और अन्य समप्तियां		
	कर्मचारी अग्रिम	–	1,400.00
	विविध देनदार	–	366,037.00
	सुरक्षा जमा	65,000.00	65,000.00
	वासुली योग्य स्रोत्रों पर कर कटौती	253,673.65	253,673.65
	आकस्मिक खर्चो के लिए अग्रिम	1,000.00	1,000.00
	वाहन खर्च	29,781.00	29,781.00
	त्योहार अग्रिम	498.00	35,598.00
	पीएलए खाता (विविध प्राप्तियां)	1,579,375.00	1,500,000.00
	कुल	1,929,327.65	63,735,632.11

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : '3' अचल सम्पतियों का विवरण और मुल्यह्रास वर्ष 2016–17

क्रमाक	विवरण	मूल्य	डब्लुडीवी 01.04.2016	वृद्वि 180 दिनों से अधिक	वृद्वि 180 दिनों से कम	कटौती	कुल	वर्ष का मुल्यह्रास	डब्लुडीव 01.03.2017
			रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये
1.	पुस्तकें	60%	234,228.00	–	5,263.00	–	239,491.00	142,116.00	97,375.00
2.	कार्यालय उपकरण	15%	640,514.00	9,469.00	–	–	649,983.00	97,497.00	552,486.00
3.	स्थिर और अस्थिर वस्तुंए	10%	2,343,402.00	–	–	–	2,343,402.00	234,.340.00	2,109,062.00
	कारखाना और मशीनरी								
4.	कारखाना और मशीनरी	40%	798,474.00		–	–	798,474.00	319,390.00	479,084.00
	कम्पयुटर								
5.	कम्पयुटर और सहायक उपकरण	60%	257,751.00	–	–	–	257,751.00	154,651.00	103,100.00
6.	कम्पयुटर प्रक्रिया साम्रगी	60%	267.00	–	–	–	267.00	160.00	107.00
7.	भूमि	0%	55,598,126.00	–	–	–	55,598,126.00	–	55,598,126.00
	निर्माणाधीन इमारत		.	–	9,143,204.00	–	9,143,204.00	–	9,143,204.00
	कुल		59,872,762.00	9,469.00	9,148,467.00	–	69,030,698.00	948,154.00	68,082,544.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

nidm
Towards a disaster free India.....

	31,.03.2017 को	31,.03.2016 को
	राशि	राशि
सारणी : 6 एमएचए से प्राप्त अनुदान (डीएम विभाग)	रूपये पैसे	रूपये पैसे
गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत केन्द्रीय क्षेत्र योजना पर प्राप्त अनुदान	75,000,000.00	120,000,000.00
कुल	75,000,000.00	120,000,000.00

सारणी : 7 स्थापना व्यय (एमएचए अनुदान)

वेतन और भते	31,275,071.00	28,085,946.00
अवकाश यात्रा छुट/एलटीए	721,838..00	394,877.00
अधिलाभ	–	72,534.00
भविष्य निधि में योगदान	2,222,860.00	1,770,703.00
कर्मचारी भविष्य निधि में शेष पर अर्जित ब्याज	2,641,421.00	2,477,714.00
उपहार	–	446,950.00
चिकित्सा उपचार	186,196.00	613,375.00
शैक्षिक शुल्क	240,000.00	342,000.00
एलएसपीसी	–	65,245.00
कुल	37,287,386.00	34,269,344.00

सारणी : 8 अन्य प्रशासनिक व्यय (एमएचए अनुदान)	रूपये पैसे	रूपये पैसे
मरम्मत और रख रखाव	2,238,576.00	2,183,737.00
डाक व्यय	92,261.00	266,938.00
छपाई और लेखन सम्रागी	284,552.00	814,939.00
विधुत और जल प्रभार	3,019,440.00	2,043,211.00
विविध व्यय	192,108.00	456,421.00
समाचार पत्र और पत्रिकांए	90,921.00	92,998.00
दूरभाष व्यय	442,328.00	656,440.00
विज्ञापन और प्रचार	141,750.00	6,526,684.00
घरेलु यात्रा	1,491,942.00	826,495.00
विदेशी यात्रा व्यय	70,426.00	828,871.00
व्यावसयिक शुल्क	987,732.00	69,540.00
किराया, दर और कर	16,593,247.00	13,324,344.00
बैंक प्रभार	5,126.73	648.64
प्रकाशन	180,935.00	1,301,095.00
अनुसंधान और प्रलेखन	–	302,906.00
दक्षिण परिसर खर्च	2,810,128.00	–
कुल	28,641,472.73	29,695,267.64

सारणी : 9 प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर व्यय (एमएचए अनुदान)

प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं पर व्यय	11,225,458.00	35,140,827.89
कुल	11,225,458.00	35,140,827.89

सारणी : 10 अर्जित ब्याज

सावधि जमा (सीपीएफ) पर अर्जित ब्याज	2,864,674.00	2,987,817.00
अतरिक्त ब्याज (एफडीडी)	7,656,426.00	4,838,457.00
कुल	10,521,100.00	7,826,274.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

		31,.03.2017 को रूपये पैसे		31,.03.2016 को रूपये पैसे
प्राप्तियां				
प्रारभिक शेष				
चैक जारी पर सावधि जमा के लिए पेश नहीं	–	–	–	–
बैंक शेष (चालु खाता)	61,483,142.46		(9,145,340.01)	
बैंक शेष (सीपीएफ सावधि जमा)	38,075,838.00		32,442,792.00	
बैंक शेष (अन्य सावधि जमा)	–	99,558,960.46	49,502,112.00	72,799,563.99
प्राप्त अनुदान				
राष्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत (आय)	75,000,000.00		120,000,000.00	
राष्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत (पूँजी)	–		–	
एनपीसीईबीईआरएम/एनपीसीबीएओआरएम योजना के लिए अनउपयोगी निधि	–		–	
एनडीएमए से एसएसपी कार्यक्रम के लिए प्राप्त	610,584.00		–	
अफ्रिकन कार्यक्रम के लिए प्राप्ति	–		–	
एटीआई से प्राप्त अनउपयोगी धन	–		–	
		75,610,584.00		120,000,000.00
कार्मचारी अग्रिम	1,400.00	–	–	–
विविध देनदार	366,037.00	–	–	–
पीएओ–एमएचए को देय कार्मचारी प्राप्ति	–		–	
अन्य बैंक ब्याज	7,656,426.00		4,838,457.00	
सीपीएफ के साथ पूंजीगत सावधि पर ब्याज	2,864,674.00		2,987,817.00	
राज्य चैक	–		–	
सी भविष्य निधि	2,553,635.00		1,880,803.00	
सुरक्षा धन जमा	–	13,442,172.00	99,818.00	9,806,895.00
सार्क/एचडी से बिजली और पानी के प्राप्त बिल	429,662.00		1,208,239.00	
विविध प्राप्तियां	–		141,200.00	
कर्मचारियों से त्यौहार अग्रिम पर प्राप्ति	35,100.00	–	–	–
वाहन ब्याज	–	464,762.00	7,995.00	1,357,434.00
कुल		189,076,498.46		203,963,892.99

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

भुगतान

पुंजीगत व्यय

कम्पयुटर और सहायक उपकरण	–		395,195.00	
उपकरण और औजार(शुद्व बिक्रि)	–		513,198.00	
पुस्तकलय	–		192,881.00	
स्थिर और अस्थिर वस्तुंए				1,181,274.00
भूमि	–		80,000.00	5,458,649.00
दफ्तर के उपकरण	9,469.00			
भुमि और भवन – रोहिणी कैंपस	9,143,204.00			
अन्य स्रोत्रों से प्राप्त जो सरकार को देय	–			
पुस्तकें	1,098.00	9,153,771.00		
राजस्व व्यय				
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला	9,333,926.00		33,113,685.89	
एनडीएमए कोष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम				
		9,333,926.00		33,113,685.89
ऋण और अग्रिम (शुद्व)	–		61,475.00	
राज्य चैक	–		68,400.00	
विविध देनदार	–	–	19,136.00	149,011.00
सुरक्षा जमा राशि	–	–	–	50,000.00
सरकार को देय	8,054,780.00	–	–	–
पीएलए	79,375.00	8,134,155.00		
स्थापना व्यय				
वेतन और भतें	31,000,639.00		28,031,013.00	
अवकाश यात्रा छुट/एलटीए	721,838.00		382,397.00	
अभिलाभांश	–		72,534.00	
एलएसपीसी	–		65,245.00	
चिकित्सा उपचार	140,358.00		558,689.00	
शैक्षिक शुल्क	240,000.00		159,000.00	
विशेष भता	–	32,102,833.00	446,950.00	29,715,828.00
भविष्य निधि से निकासी/अग्रिम	721,000.00		653,428.00	
सीजीएचएचएस को देय कटौती	–		221,878.00	
देय भुगतान	2,251,019.00		2,672,242.00	
सुरक्षा व्यय	40,000.00		–	
		3,012,019.00		3,547,548.00
अन्य प्रशासनिक व्यय				
मरम्मत और रख रखाव	1,780,624.00		1,892,507.00	
डाक व्यय	91,381.00		250,749.00	
छपाई और लेखन सम्रागी	284,552.00		814,939.00	
बिजली और जल प्रभार	2,975,410.00		2,457,832.00	
किराया, दर और कर	12,302,809.00		13,324,344.00	
विविध व्यय	172,471.00		417,445.00	
समाचार पत्र और पत्रिकांए	83,829.00		86,562.00	
दुरभाष व्यय	408,863.00		584,941.00	
विज्ञापन व्यय	141,750.00		6,526,684.00	
घरेलु यात्रा	1,112,,854.00		725,985.00	
विदेशी यात्रा	31,695.00		789,433.00	
व्यावसायिक शुल्क	973,645.00		69,540.00	
प्रकाशन	180,935.00		1,301,095.00	
बैंक प्रभार	5,126,73		648.64	
अनुसंधान और सर्वेक्षण	–		302,906.00	
दक्षिणी परिसर व्यय	2,090,128.00		–	
		22,636,072.73		29,555,610.64
प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला पर व्यय				
दक्षिण एशिया कार्यक्रम व्यय	–	–	1,635,306.00	1,635,306.00
समापन शेष				
चैक जारी पर सावधि जमा के लिए पेश नहीं	–		–	
बैंक शेष (सीपीएफ सावधि जमा)	42,339,267.00		38,075,838.00	
बैंक शेष (अन्य सावधि जमा)	63,159,733.00		–	
बैंक शेष (चालु खाता)	(795,278.27)	104,703,721.73	61,483,142.46	99,558,960.46
कुल		189,076,498.46		203,963,892.99

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

फर्म जीएफआर 19–ए

भारत सरकार के निर्णय (1)नियम 150 के नीचे देखें

उपयोगीकरण प्रमाणपत्र

क्रम सख्यां	पत्र संख्या और तारिख	राशि(रूपये)	
1.	45–28/2016 एनडीएम – II तारिख 19 सितम्बर, 2016 को	7,50,00,000/–	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2016–2017 के दौरान रूपये 7,50,00,000/– की अनुदान राशि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के पक्ष में स्वीकार कि गयी जिनका कार्यालय आईआईपीए कैम्पस, आईपी इस्टेट, नई दिल्ली – 110002 में गृह मंत्राालय के अधिन स्थापित है संचय में दि गई पत्र संख्या और अनउपयुक्त रूपयें 4,34,90,328/– पिछले साल से स्थान्तिरित किये गये रूपये 7,71,69,048.73/– को राष्ट्रीय प्रंबधन कार्यक्रम में केन्द्रीय क्षेत्र योजना पर जिसके लिए यह अबंटित था और वर्ष के अन्त शेष रूपये 4,13,21,279.27/– अगले वर्ष के लिए अनुदान के रूप में समायोजित कर दिये गये।
	कुल	7,50,00,000/–	
2.	प्रमाणित किया जाता है कि में अपने आप से सन्तुष्ट हुं कि जिन परिस्थितियों के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया उन्हें परिपुर्ण किया गया। मैने पुर्ण जांच कि तथा पाया कि जिस कार्य के लिए रूपये को स्वीकृत किया गया था पुर्ण किया गया।		

जांच प्रक्रिया के प्रकार

दस्तावेजी प्रमाण को जिनमें बिल, भुगतान पर्ची, बैंक विवरण तथा लेखा पुस्तके शामिल थी, सत्यापित किया गया

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय)

सार्वजनिक बही खाता (पीएलए)

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

		31.03.2017 राशि रूपये पैसे	31.03.2016 राशि रूपये पैसे
कोष/चालू निधि और देनदारियां			
आरक्षित और अधिशेष	'1'	731,560.00	731,356.00
निर्धारित निधि	'2'	2,852,155.00	2,955,935.00
चालू देनदारियां और प्रावधान	'3'	2,330,151.78	2,990,577.28
	कुल	5,913,866.78	6,677,868.28
सम्पतियां			
चल सम्पतियां, ऋण और अग्रिम	'4'	5,913,866.78	6,678,072.28
	कुल	5,913,866.78	6,678,072.28
अभिप्रायपुर्ण लेखांकन नितियां और खातों पर टिप्पणियां	'5'		

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय)

सार्वजनिक बही खाता (पीएलए)

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

		31.03.2017 राशि रूपये पैसे	31.03.2016 राशि रूपये पैसे
आय			
जर्नल कि बिक्री		–	–
ब्याज आय		262,045.00	179,937.00
विविध प्राप्तियां		5,330.00	–
	कुल (ए)	267,375.00	179,937.00
व्यय			
बैंक प्रभार		57.50	204.00
घटा : टीआरएफ ओनलाईन कार्यक्रम व्यय खाता		–	–
	कुल (बी)	57.50	204.00
अधिशेष/घाटा संतुलित किया गया(ए–बी)		267,317.50	179,733.00
घटा : बचत पीएओ, एमएचए खाते में हस्तांतरित		267,317.50	179,733.00
शेष अधिशेष (घाटा) तुलन पत्र में स्थांतरित(ए–बी+सी)		–	–
अभिप्रायपुर्ण लेखांकन नितियां और खातों पर टिप्पणियां	'5'		

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

		31,.03.2017 को राशि	31,.03.2016 को राशि
सारणी : 1			
आय की व्यय पर अधिकता			
प्रारंभिक शेष		731,560.00	731,356.00
	कुल	731,560.00	731,356.00
सारणी : 2 निर्धारित निधि			
1. नव ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपदा प्रबंधन योजना के लिए अनुदान			
प्रारंभिक शेष		770,249.00	770,249.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त		–	–
		770,249.00	770,249.00
2. एनडीएमए से समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन परियोजना के लिए प्राप्त निधि			
प्रारंभिक शेष		1,000,000.00	–
वर्ष के दौरान प्राप्त		–	1,000,000.00
जमा : व्यय के लिए अग्रिम		–	–
घटा : वर्ष के दौरान उपयोग		–	–
घटा : अलग खाते में हस्तांतरित		–	–
		1,000,000.00	1,000,000.00
3. एमओएसटी द्वारा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम पर विचार–मंथन के लिए प्राप्त निधि			
प्रारंभिक शेष		–	400,000.00
घटा : शेष सरकारी खाते में हस्तांतरित		–	(400,000.00)
		–	–
4. ओनलाईन–डब्लुबीआई कोर्स से प्राप्त निधि			
प्रारंभिक शेष		–	43,527.14
वर्ष के दौरान प्राप्त		2,86,550.00	3,55,571.14
			399,098.28
घटा : वर्ष के दौरान उपयोग		57,545.00	(254,480.00)
घटा : सरकारी खाते में देय बचत		(229,005.00)	(144,618.28)
		–	–
5. सार्क द्वारा एसएडीकेएन योजना के लिए प्राप्त निधि			
प्रारंभिक शेष	103,780.00		103,780.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	–		–
सरकारी खाते में बचत जमा	75,906.00		–
	27,874.00		103,780.00
घटा : वर्ष के दौरान उपयोग / व्यय	27,874.00		–
			103,780.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

6.	एमएचए द्वारा दक्षिण आफ्रिकान अधिकरियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक शेष	–	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–	1,500,000.00
			1,500,000.00
	घटा : वर्ष के दौरान प्राप्त उपयोग/व्यय		(1,500,000.00)
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा	–	–
		—	—
7.	आईआरएस माड्युल बनाने हेतु यूएसएआईडी से प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक शेष	400,000.00	400,000.00
	वर्ष के दौरान प्राप्त	–	–
	घटा : वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	–	–
		400,000.00	400,000.00
8.	यूजीसी से प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक शेष	681,906.00	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–	700,000.00
		681,906.00	700,000.00
	घटा : वर्ष के दौरान प्राप्त उपयोग/व्यय	–	(18,094.00)
		681,906.00	681,906.00
9.	आईसीएसएसआर से भेद्यता मूल्यांकन और शमन विश्लेशण हेतु प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक शेष	–	47,226.00
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–	–
			47,226.00
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा		(47,226.00)
	घटा : वर्ष के दौरान उपयोग/खर्चे	–	–
		–	–
10.	एएमसीडीआरआर–2016 के लिए एनडीएमए से प्राप्त फंड		
	प्रारंभिक शेष	–	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	1,446,000.00	–
		1,446,000.00	—
	घटा : वर्ष के दौरान उपयोग/खर्चे	615,554.00	—
	घटा : बिना खर्चे का शेष एडीएमए को वापिस	830,446.00	–
		–	–
11.	एनएचवी और सीडी योजना की तैयारी के लिए एनडीएमए से प्राप्त फंड		
	प्रारंभिक शेष	–	689,000.00
	घटा : सरकार को देय शेष	–	689,000.00
		–	(689,000.00)
12.	सूखा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एमओए से प्राप्त फंड		
	प्रारंभिक शेष	–	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	100,000.00	–
		100,000.00	–
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा	91,975.00	—
	घटा : वर्ष के दौरान उपयोग/खर्चे	8,025	–
		–	–
	कुल	2,852,155.00	2,955,935.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : 3 चालू देनदारियां और प्रावधान

	31,.03.2017 को राशि	31,.03.2016 को राशि
एमएचए को देय योजना बचत	720,776.78	1,460,577.28
अग्रिम धन सुरक्षा जमा	30,000.00	30,000.00
एनआईडीएम (मेन एकाऊंट)	1,579,375.00	1,500,000.00
कुल	2,330,155.78	2,990,577.28

सारणी : 4 चल सम्पति, ऋण और अग्रिम

		31,.03.2017 को राशि	31,.03.2016 को राशि
ए	चल समप्तियां		
	रोकड़ शेष	–	–
	बैकं शेष		
	युको बैंक खाता संख्या 6139	857,293.78	6,678,072.28
	सावधि जमा (एफडीडी)	5,056,573.00	–
		5,913,866.78	6,678,072.28

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

	31.03.2017 रूपये पैसे		31.03.2016 रूपये पैसे	
प्रारभिक शेष				
यूको बैंक (बचत खाता)	6,678,072.28	6,678,072.28	3,760,566.14	3,760,566.14
प्राप्तियां				
वर्ष के दौरान प्राप्त				
डब्लुबीआई ओनलाईन कोर्स से प्राप्ति	286,550.00		355,571.14	
सरकार के लिए सावधि जमा से प्राप्त ब्याज	56,573.00		–	
साउथ अफ्रिकन कार्यक्रम से प्राप्ति	–		1,500,000.00	
एएमसीडीआरआर कार्यक्रम	1,446,000.00		–	
एमओए सुखा कार्य के लिए प्राप्ति	100,000.00		–	
यूजीसी के लिए प्राप्ति	–		700,000.00	
एनआईडीएम से योजना के लिए प्राप्ति	–		1,000,000.00	
		1,889,123.00		3,555,571.14
अन्य प्राप्तियां				
विविध प्राप्तियां	5,330.00		–	
अर्जित ब्याज	262,045.00	267,375.00	179,937.00	179,937.00
कुल		8,834,570.28		7,496,074.28
भुगतान				
योजना व्यय				
एएमसीडीआरआर – 2016 व्यय	536,179.00		–	
सुखा योजना व्यय	8,025.00		–	
एसएडीकेएएन योजना व्यय	27,874.00		–	
युजीसी व्यय	–		18,094.00	
		5,72,078.00		18,094.00
अन्य व्यय				
आन लाईन व्यय	57,545.00	–	254,480.00	–
एएमसीडी आरआर कार्यक्रम के लिए एमडीएमए को शेष वापिस	830,446.00		–	
बैंक खर्चे	57.50		204.00	
एमएचए को योजना बचत वापिस	1,460,577.00	2,348,625.50	545,224.00	799,908.00
समापन शेष				
यूको बैंक (बचत खता)	857,293.78		6,678,072.28	6,678,072.28
सावधि जमा	5,056,573.00	5,913,866.78	–	–
कुल		8,834,570.28		7,496,074.28

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : 11 खातों के लिए सार्थक लेखांकन और टिप्पनियां

महत्वपूर्ण लेखा नितियां और खातों पर टिप्पनियां

1. सार्थक लेखांकन नीतियां

(ए) वित्तीय वक्तव्य ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार तथा नकद आधार पर तैयार किए जाते हैं और आम तौर पर स्वीकार्य लेखा पद्धतियों के अनुसार होते हैं।

(बी) भौतिक सत्यापन के लिए अचल संपतियां रजिस्टर बनाया गया है और परियोजना के तहत हासिल की गई सभी अचल संपत्तियों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के वित्तीय खाते में उन वित्तीय वर्ष में पूंजीकृत कर दिया गया है जिसमें ऐसी संपत्ति का अधिग्रहण किया गया था। अचल संपतियों के अधिग्रहण की लागत में स्थापना की लागत सहित किसी भी वर्ष तक का अवमूल्यन भी लिया गया है। जो आयकर अधिनियम के तहत निर्दिष्ट दरों के अनुसार ही अवमूल्यन को निश्चित परिसंपत्तियों पर लिया जा रहा है।

(सी) लेखा नितियां विशेष रूप से उल्लिखित नहीं है। अन्यथा यह आम तौर पर स्वीकार्य लेखा प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं।

(डी) प्राप्त अनुदान खातों की पुस्तकों में दर्ज की जा रही है जब वह प्राप्त हो रही है।

(ई) खातों में सभी व्यय लिखे जा रहे है जब वे खर्च किए जाते हैं और भुगतान किये जाते हैं।

(एफ) विदेशी मुद्रा में निहित लेनदेन, लेनदेन के दिनांक पर मौजूद विनिमय दर पर होता है।

(जी) प्रबंधन अपने कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि में योगदान देता है और यह भी बरकरार किया जाता है तथापि यह भविष्य निधि योगदान न तो सांविधिक भविष्य निधि और न ही किसी मान्यता प्राप्त भविष्य निधि में निवेश करता है संस्थान उस फंड को पीएसयू बैंकों को टर्म डिपॉजिट के रूप में रखता है और उस पर अर्जित ब्याज को सरकारी ट्रेजरी के साथ जमा किया जा रहा है। हालांकि, सीपीएफ अकाउंट पर देय ब्याज, खातों की पुस्तकों में प्रदान किया जाता है और वार्षिक अनुदान से भी शुल्क लिया जाता है। यह नीति का पालन किया जाता है क्योंकि संस्थान को इस विषय में किसी केंद्रीय अभिलेख रखने वाली एजेंसी से कोई मान्यता प्राप्त नहीं हुई है। संस्थान कों जल्द ही केंद्र से मान्यता प्राप्त होगी, और यह राशि भविष्य निधि के रूप में किसी मान्यता प्राप्त भविष्य निधि में निवेष कि जायेगी।

(एच) गत वर्ष के आकड़े जब आवश्यक हो पुर्ण व्यवस्थित या पुर्ण एकत्रित किये जा सकते है।

2. आकस्मिक देनदारियां

संस्थान के विरूद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार्य नहीं – शुन्य

3. प्रबंधन की राय में चालू सम्पतियों का मुल्यांकन, ऋण और अग्रिम, व्यवसाय के सामान्य तरीकों में किसी भी तरह तुलन पत्र मं लिखित से कम नहीं होगा, सभी सुचित देनदारियों के लिए लेखों में प्रावधान किया गया।

4. गृह मंत्रालय(डी एम विभाग), भारत सरकार के निदेशानुसार पत्र संख्या 45–5/2008–एनडीएम–IV/II तारिख 23 मार्च, 2010 के अनुसार एक सार्वजनिक बही खाता बनाया जाये और योजनाओं से प्राप्त शुद्ध बचत तथा जमा रकम से अर्जित ब्याज को भारत सरकार के संगठित निधि मे जमा किया जाये। वितिय वर्ष 2016–17 के लिए पीएलए खाते के लिए वित्तिय विवरण अलग से तैयार किये गये।

nidm
Towards a disaster free India.....

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
5बी, आई आई पी ए केम्पस, आई. पी. इस्टेट, महात्मा गांधी रोड़
नई दिल्ली–110002
वेब साईट : www.nidm.gov.in